CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 177 ता. 08 जनवरी 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में शुक्रवार को हुई बर्फबारी का दृश्य। (छांया-तारीक मीर)

सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 7 दिन का होम क्वारंटाइन जरूरी नए नियम जारी

नई दिल्ली । देश में कोविड-19 मामलों में वृद्धि के बीच, सरकार ने सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक अब से आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को 7 दिनों के लिए होम क्वारंटाइन से गुजरना होगा। इसके बाद आठवें दिन आरटीपीसीआर टेस्ट किया जाएगा। नए सरकारी सर्कुलर में कहा गया है कि नई मानक संचालन प्रक्रिया 11 जनवरी, 2022 से अगले आदेश तक मान्य होगी। नए नियम के मुताबिक, भारत की यात्रा करने के इच्छुक लोगों को ऑनलाइन एयर सुविधा पोर्टल डिक्लेयरेशन फॉर्म में एक फुल और तथ्यात्मक जानकारी जमा करनी होगी। उन्हें यात्रा शुरू करने से 72 घंटे के भीतर किए गए कोविड-19 आरटीपीसीआर टेस्ट की निगेटिव रिपोर्ट भी अपलोड करनी होगी। अन्य विवरणों के अलावा, जिन यात्रियों को आगमन पर टेस्ट करने की आवश्यकता है, उन्हें एयर सुविधा पोर्टल पर ऑनलाइन टेस्ट की प्री-बुकिंग करनी होगी। सरकार ने बढ़ते कोविड-19 मामलों और कोरोना वायरस के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे को देखते हुए भारत में अंतरराष्ट्रीय आगमन के लिए मौजूदा दिशानिर्देशों को संशोधित किया है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, पिछले 14 दिनों के यात्रा विवरण सहित यात्रियों को उनकी निर्धारित यात्रा से पहले ऑनलाइन हवाई सुविधा पोर्टल पर एक स्व-घोषणा पत्र में पूर्ण और तथ्यात्मक जानकारी जमा करनी होगी।

योगी सरकार ने सरकारी नौकरियों में खिलाड़ियों को आरक्षण देने की मांग मानी

लखनऊ (एजेंसी) । उत्तरप्रदेश योगी सरकार ने राज्य सरकार की नौकरियों में खिलाड़ियों को आरक्षण की बहुत पुरानी मांग को स्वीकार कर लिया है।प्रस्ताव को राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। खिलाड़ियों को अब ग्रुप बी के पदों पर सीधे भर्ती किया जा सकता है, जबकि सीटों में 2 प्रतिशत आरक्षण भी दिया जाएगा। निर्णय के अनुसार विभिन्न विभागों से ग्रुप बी के 24 पदों को लोक सेवा आयोग के दायरे से बाहर किया जा रहा है। ये सीटें खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन और प्रसिद्ध खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी के आधार पर सीधे दी जाएगी। इसके लिए अलग से नियम बनाए जाएंगे। इसी तरह ग्रुप बी के नियमों के तहत नहीं आने वालों के लिए भी ग्रुप सी के पदों में आरक्षित श्रेणियों के भीतर 2 प्रतिशत आरक्षण किया जाएगा और भर्ती एजेंसी इसके लिए नियम तैयार करेगी। इसके अलावा, अगर सिस्टम के भीतर कोई खिलाड़ी पदक जीतता है, तो सरकार ग्रुप सी कर्मचारियों के लिए करियर में दो बार और ग्रुप बी भर्ती के लिए एक बार आउट ऑफ टर्न प्रमोशन की अनुमति देगी। मंत्रिपरिषद ने पुलिस में खिलाड़ियों की बारी-बारी से पदोन्नति के लिए यूपी पुलिस (कुशल खिलाड़ी) भर्ती और आउट ऑफ टर्न प्रमोशन नियम, 2021 को भी मंजूरी दी है

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की सुरक्षा में चूक, मंच पर चाकू लेकर चढ़ा युवक

ऊधम सिंह नगर (एजेंसी) ।

उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर में कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। काशीपुर में एक शख्स छुरा लेकर रावत के मंच पर पहुंच गया। इस दौरान वहां मौजूद कार्यकर्ताओं और नेताओं में अफरातफरी मच गई।पुलिस ने बताया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर चाकू लहराने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आनन-फानन कार्यकर्ताओं ने शख्स को पकड़कर उससे छुरा छीना। इसके बाद युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। इस बीच, हल्दूचौड़ (नैनीताल) में आयोजित सभा में रावत ने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर तमाम सरकारी विभागों में भर्तियां शुरू होगी। मातृशक्ति को स्वयं सहायता समूह से जोड़ते हुए उन्हें घर बैठे आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। वहीं अन्य कार्यक्रम में रावत ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने पांच सालों में कोई काम नहीं किया। अब प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री घूम-घूम कर आश्वासनों का पिटारा खोल रहे हैं। कांग्रेस के शासनकाल में बनाए गए स्टेडियम की घास सुखाने के अलावा और कोई काम नहीं हो पाया। सरकार ने स्वरोजगार तक के अवसर समाप्त कर दिए हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य ने कहा कि 700 से अधिक किसानों की मौत की जिम्मेदार भाजपा को अब भी शर्म नहीं आ रही है, जहां किसान और गरीब तबके से जुड़े लोग अत्यधिक परेशान है।

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक पर भाजपा का मौन धरना

गांधी प्रतिमा के समक्ष धरने में भाजपा सरकार के अनेक मंत्री, नेता शामिल

भोपाल (एजेंसी) ।

दो दिन पहले पंजाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के दौरान सुरक्षा में चूक को लेकर आज राजधानी में भाजपा द्वारा भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष आयोजित मौन धरना दिया गया। इसमें शिवराज मंत्रिमंडल के सदस्य गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा, कृषि मंत्री कमल पटेल, स्वास्थ्य मंत्री डा. प्रभु राम चौधरी, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग मौजूद है। पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, उमाशंकर गुप्ता, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, भोपाल जिला भाजपा अध्यक्ष सुमित पचौरी सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह यहां पहुंचकर मौन धरने में शामिल होना था, लेकिन शहर से बाहर होने के कारण वे शामिल नहीं हो सके। इसके बाद भाजपा नेता राज्यपाल से मिलने और ज्ञापन सौंपा।

भारत ने कोरोना टीकाकरण में डेढ़ अरब का आंकड़ा पार रचा कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

घातक वायरस कोरोना दुनिया में कोहराम मचाए है ऐसे में तीसरी लहर की आहट के बीच देश ने डेढ़ अरब टीकाकरण का लक्ष्य हासिल कर कीर्तिमान बनाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने यह जानकारी ट्विटर पर साझा करते हुए लिखा, 'ऐतिहासिक प्रयास, ऐतिहासिक उपलब्धि। पीएम नरेंद्र मोदी के के यशस्वी नेतृत्व व स्वास्थ्य कर्मियों की अविरल मेहनत से देश ने आज 150 करोड़ कोरोना वैक्सीन लगाने का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। जब सब मिलकर 'प्रयास' करते हैं तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।'अब तक देश में कुल 90 फीसदी वयस्कों को कोरोना टीके की कम से कम पहली डोज दी जा चुकी है। अब तक देश में 1,50,17,23,911 टीके लग चुके हैं। इनमें से 87 करोड़ से ज्यादा टीके पहली डोज के हैं और दूसरी डोज के तहत 62,44,08,936 टीके लगाए जा चुके हैं। यही नहीं देश में 15 से 18 साल के बच्चों को भी 3 जनवरी से कोरोना टीके लगाए जा रहे हैं। बच्चों के लिए फिलहाल कोवैक्सीन के टीके को मंजूरी दी गई है। वहीं 10 जनवरी से 60 साल से ऐसे बुजुर्गों को भी टीका लगना है, जो गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। इसके अलावा हेल्थ और फंटलाइन वर्कर्स को 10 जनवरी से बूस्टर डोज भी लगाई जानी है। देश में 1 लाख 9 हजार के करीब वैक्सीनेशन सेंटर्स पर टीके लगाए जा चुके हैं। देश में कोरोना वायरस की तीसरी लहर ने दस्तक दे दी है और उसके बीच यह उपलब्धि मिलना बड़ी राहत की बात है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस महीने के अंत तक तीसरी लहर का पीक देखने को मिलेगा। बता दें कि देश में बीते साल 15 जनवरी को कोरोना वैक्सीनेशन की शुरुआत हुई थी। तब हेल्थ और फंटलाइन वर्कर्स के लिए इसकी शुरुआत की गई थी। इसके बाद अन्य

वर्गों के लिए भी चरणबद्ध तरीके से टीकाकरण की शुरुआत की गई थी। अब तक टीकाकरण के मामले में चुनावी राज्य यूपी सबसे आगे हैं। बता दें कि हाल ही में चुनाव आयोग ने हेल्थ मिनिस्ट्री से कहा था कि यूपी, पंजाब, उत्तराखंड समेत उन सभी 5 चुनावी राज्यों में टीकाकरण तेज किया जाए। इलेक्शन से पहले आयोग किसी भी तरह से टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करने पर जोर दे रहा है।

सुरक्षा बलों ने साल के शुरुआती 7 दिनों में कश्मीर में ढेर किए 11 आतंकी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने शुक्रवार को कहा कि नए साल में अब तक जम्मू-कश्मीर में 11 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। उनमें से ज्यादातर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर शामिल थे। शुक्रवार सुबह जम्मू-कश्मीर के बडगाम के जोलवा क्रालपोरा चादूरा इलाके में गुरुवार देर शाम को शुरू हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया। आईजीपी कश्मीर ने कहा हमें सूचना मिली थी कि जैश के तीन आतंकवादी छिपे हुए हैं। भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। फायरिंग शुरू हुई। उसके बाद सीआरपीएफ भी ऑपरेशन में शामिल हो गई। पूरी रात मुठभेड़ चली और आज सुबह तीन आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा उनमें से एक की पहचान श्रीनगर शहर के वसीम के रूप में हुई है। वह कई नागरिकों की हत्याओं में शामिल था। शेष दो आतंकवादियों की पहचान प्रक्रिया चल रही है। उनके पास से आठ पत्रिकाओं और कई दस्तावेजों के साथ तीन एके 57 राइफलें बरामद की गई हैं। जिसकी हम जांच कर रहे हैं। कुमार ने बताया कि इस नए साल में अब तक 11 आतंकवादी मारे गए हैं, जिनमें से अधिकांश जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी संगठनों के शीर्ष कमांडर हैं। उन्होंने कहा इस नए साल में अब तक 11 आतंकवादी मारे गए हैं, जिनमें आज मारे गए लोग भी शामिल हैं। उनमें से ज्यादातर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर थे।

चुनाव के पहले योगी सरकार ने किसानों के लिए आधी की बिजली की दरें

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने किसानों को बिजली के बिल में पचास फीसदी छूट देने का निर्णय लिया है। नई दरों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में मीटर्ड कनेक्शन पर जहां अभी 2 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिल देना होता है, वहां अब 1 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिल जमा करना होगा। इस कनेक्शन के लिए फिक्स चार्ज 70 की जगह 35 रुपए प्रति हार्स पावर लगेगा। इसी तरह अनमिटर्ड कनेक्शन के लिए फिक्स चार्ज 170 रुपये प्रति हार्स पावर की जगह 85 रुपये प्रति हार्स पावर की दर से देना होगा। योगी आदित्यनाथ सरकार के इस फैसले से 50 फीसदी बिजली बिल कम होगा। सीएम योगी के इस फैसले से 13 लाख किसानों को सीधा फायदा होगा। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने ट्वीट किया कि पीएम मोदी के संकल्प किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में निजी नलकूप कनेक्शनों की बिजली दरों में 50 फीसदी की कमी कर बड़ी राहत देने के लिए सीएम योगी का हार्दिक अभिनंदन।

नागपुर में आतंकी हमले की आशंका

जैश के आतंकियों ने की रेकी, सुरक्षा बढ़ी

मुंबई, (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में नागपुर के पुलिस आयुक्त अमिकेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि हमें जानकारी मिली है कि जैश-ए-मोहम्मद के कुछ आतंकियों ने नागपुर में कुछ ठिकानों की रेकी की है, इसके बाद हमने कार्रवाई की और यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया है, जिसकी जांच क्राइम ब्रांच कर रही है। हमने सभी स्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी है। आतंकियों की रेकी के बाद नागपुर में आतंकी हमले का खतरा बढ़ गया है। रेकी के बाद पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। गौरतलब है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ फिर मुंबई व देश के अन्य शहरों में आतंकी हमले की साजिश रच रही है। इस बार लश्कर-ए-तैयबा या जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों के बजाय उसकी तैयारी विदेश में बसे खालिस्तानी आतंकियों के इस्तेमाल की है। जर्मनी में रह रहे आतंकी संगठन सिख फार जस्टिस के जसविंदर सिंह मुल्तानी के खिलाफ दर्ज एनआइए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की एफआइआर में यह बात सामने आई है। हाल में लुधियाना में हुए बम धमाके में मुल्तानी का नाम सामने आया है। 2008 में आइएसआइ ने लश्कर के आतंकियों से मुंबई में हमले को अंजाम दिया था। एनआइए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुल्तानी लगातार आइएसआइ के संपर्क में है। आइएसआइ मुल्तानी का इस्तेमाल कर मुंबई समेत देश के कई शहरों में आतंकी हमले की योजना तैयार कर रही है। मुल्तानी और आइएसआइ के बीच हुई बातचीत के पुख्ता सुबूत एनआइए के पास मौजूद हैं। इसके साथ एनआइए ने एफआइआर में मुल्तानी पर भारत में युवाओं को देश के खिलाफ भड़काने और उन्हें आतंकी गतिविधियों के लिए भी उकसाने का आरोप लगाया है। एफआइआर के अनुसार हवाला के जरिये बड़े पैमाने पर धन भेजकर मुल्तानी पंजाब में आतंकवाद को फिर से खड़ा करने की साजिश भी कर रहा है। यही कारण है कि एनआइए ने मुल्तानी के खिलाफ देशद्रोह के अलावा गैरकानूनी गतिविधि कानून की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। अधिकारी ने कहा कि एनआइए जल्द ही मुल्तानी को भारत लाने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि जर्मनी के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि है। एजेंसी इस मामले में पुख्ता रोडमैप के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

गोवा में राफेल एम समुद्री लड़ाकू विमान का होगा परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय नौसेना को सुसज्जित करने इस सप्ताह से राफेल-समुद्री एम लड़ाकू विमान के उड़ान का परीक्षण किया जाएगा। ये परीक्षण नौसेना वायु स्टेशन आईएनएस हंसा में आयोजित किया जाएगा। एक खबर के मुताबिक इस बात के लिए टेस्ट किया जाएगा कि जेट स्वदेशी पोत आईएनएस विक्रांत पर इस्तेमाल के लिए फिट है या नहीं। स्वदेशी विमान वाहक 1 (आईएसी1) के रूप में कोडनेम, आईएनएस विक्रांत भारतीय नौसेना के लिए कोचीन शिपयार्ड द्वारा निर्मित एक विमानवाहक पोत है। ये फिलहाल अरब सागर और हिंद महासागर के पास समुद्री परीक्षणों में भाग ले रहा है। आईएनएस हंसा में 283 मीटर मॉक-अप स्की जंप सुविधा में राफेल-एम फाइटर का लगभग 12 दिनों तक परीक्षण किया जाएगा। राफेल-एम कई कारणों से अमेरिका के एफ18 हॉर्नेट लड़ाकू विमान की तुलना में विमान वाहक पर उपयोग के लिए अनुकूल है। ये एफ18 के विपरीत विक्रमादित्य की लिफ्ट बे में फिट हो सकता है, जो मुड़े हुए पंखों के साथ भी विक्रमादित्य की लिफ्ट में फिट नहीं हो सकता है। स्की टेक-ऑफ के लिए राफेल-एम चार-पांच टन बाहरी भार (पूर्ण आंतरिक ईंधन के साथ) तक ले जा सकता है। कम आंतरिक ईंधन के साथ, यह मिशन की आवश्यकताओं के आधार पर अधिक हथियार ले जा सकता है। अधिकारियों ने ये भी कहा कि एफ18एस के विपरीत, जिसमें वाहकों को एक नए वाहक ऑप्टिकल लैंडिंग सिस्टम के साथ फिट करने की आवश्यकता होती है, राफेल एम विक्रमादित्य पर मौजूदा साधन के साथ काम कर सकता है। भारतीय नौसेना स्वदेशी विमानवाहक पोत (आईएसी) विक्रांत के लिए लड़ाकू विमानों का एक बेड़ा खरीदने की योजना बना रही है, जिसके अगस्त में सेवा में शामिल होने की संभावना है। इस घटनाक्रम से परिचित लोगों ने कहा कि राफेल विमान के नौसैनिक संस्करण का प्रदर्शन गोवा में तट-आधारित परीक्षण केंद्र (एसबीटीएफ) में शुरू हो गया है। भारतीय नौसेना ने 2017 में, अपने विमानवाहक पोत के लिए 57 बहु-भूमिका वाले लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए

पुलिस कार्रवाई के खिलाफ 16 जनवरी को होगी संतों की प्रतिकार सभा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

धर्मसंसद में नफरती भाषण के बाद संतों पर दर्ज हुए मुकदमों के करीब एक हफ्ते बाद संतों ने पुलिस कार्रवाई के खिलाफ प्रतिकार सभा करने योजना बनाई है।16 जनवरी को हरिद्वार के बैरागी कैंप में प्रतिकार सभा आयोजित होगी।इस लेकर देशभर के धर्मगुरुओं और हिंदुवादी संगठनों के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। धर्म संसद कोर कमेटी के संयोजक स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि अपने धर्म की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। रिपोर्ट के मुताबिक स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही संतों के लिए समान रूप से बुरे हैं। उन्होंने कहा कि अपने धर्म की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। भले ही यह एक अपराध है, हम इस करना जारी रखने वाले है। बता दें कि हरिद्वार में बुधवार की रात कोर कमेटी की आपात बैठक हुई। जिसमें प्रतिकार सभा को आयोजित करने का निर्णय हुआ है। धर्मसंसद संयोजक ने बताया कि आपात बैठक में कमेटी के सभी सदस्य शामिल हुए थे। संतों का आरोप है कि धर्मसंसद मामले में फर्जी मुकदमे दर्ज कर मुख्यमंत्री के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई है। जिसको लेकर संतों में आक्रोश है। स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि साधुओं के खिलाफ एसआईटी के गठन का क्या औचित्य है ? संतों को परेशान किया जा रहा है। अगर हमें गिरफ्तार कराना है,तब मुख्यमंत्री कार्यालय में आत्मसमर्पण करने वाले हैं। धर्म संसद 16 से 19 दिसंबर के बीच हरिद्वार के भोपतवाला के वेद निकेतन धाम में बंद दरवाजे के भीतर आयोजित हुई थी।कार्यक्रम के समाप्त होने के बाद वीडियो सामने आए, जिसमें वक्ताओं को अल्पसंख्यकों के खिलाफ भड़काऊ भाषण देते हुआ दिखाया गया।इतना ही नहीं एक वक्ता ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को गोली मारने की बात कही थी। इस मामले को लेकर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी। इतना ही नहीं हरियाणा और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी ने उत्तराखंड सरकार को पत्र लिखा। रिपोर्ट के मुताबिक,मामले में अबतक 2 प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और 10 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है। इसके अलावा 2 जनवरी को पांच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था। हालांकि मामले में अभी

तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। गौरतलब है कि 23 दिसंबर को पहली प्राथमिकी गाजियाबाद के डासना मंदिर के पुजारी और सम्मेलन के आयोजक यति नरसिंहानंद समेत पांच लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 153 और 295 के तहत दर्ज की गई थी।

कांग्रेस ने बुलाई प्रदेश प्रभारियों और अध्यक्षों की बैठक

5 राज्यों में विस चुनाव से पहले कांग्रेस ने बुलाई प्रदेश प्रभारियों और अध्यक्षों की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की बढ़ती रफ्तार ने देश के 5 राज्यों के विधान सभा चुनाव को लेकर सियासी दलों में चिंता की रेखाएं खींच दी है। बढ़ते मामलों को मद्देनजर कांग्रेस आने वाले दिनों में सभी मीटिंग वर्चुअल करने जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार और शनिवार को प्रस्तावित कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक भी वर्चुअल होगी, जिसमें गोवा और पंजाब के विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगनी है। वहीं कांग्रेस ने इसके अलावा भी 8, 9 और 10 जनवरी को बड़ी बैठकें बुलाई हैं। ये मीटिंग भी वर्चुअल होंगी, जिनमें कांग्रेस के सभी महासचिव, राज्यों के प्रभारी और सभी प्रदेश के अध्यक्ष मौजूद रहेंगे। इस बैठक में सदस्यता अभियान, जनजागरण अभियान और प्रस्तावित आंदोलन पर चर्चा होगी। 8, 9 और 10 जनवरी को होने वाली इन बैठक में शनिवार को 11 राज्यों के प्रभारी महासचिव और प्रदेश अध्यक्ष को बुलाया गया है। इसमें चुनावी राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के अलावा झारखंड और तेलंगाना के भी अध्यक्ष मौजूद रहेंगे। 9 जनवरी को भी 11 राज्यों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है, जिसमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं 10 जनवरी को उत्तर-पूर्वी राज्यों के प्रभारी और प्रदेश अध्यक्षों को बुलाया गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी के अंदर नए अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी कड़ी में पूरे देश में कांग्रेस का सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। मार्च तक पार्टी की सदस्यता अभियान की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। सूत्रों ने बताया कि इस साल सितंबर तक कांग्रेस को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। गौरतलब है कि राहुल गांधी के अध्यक्ष पद से इस्तीफे के बाद से सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर पार्टी को संभाल रही हैं। वहीं महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है लेकिन जिस तरह से देश में कोरोना तेजी से फैल रहा है, इसे देखते हुए डिजिटल माध्यम से लोगों तक पहुंचा जा सके, इस विकल्प पर भी पार्टी में विचार किया जा रहा है।

उद्धव संग बैठक में कोरोना से पैदा हालात की समीक्षा करेंगे पीएम मोदी

मुंबई ।

महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते केसों से निपटने के लिए क्या पाबंदियों में इजाफा किया जाएगा? पीएम नरेंद्र मोदी की आज राज्य के सीएम उद्धव ठाकरे से कोरोना वायरस के बढ़ते केसों को लेकर बात होने वाली है। इसके चलते ही राज्य में पाबंदियां बढ़ने की आशंकाएं जताने लगी हैं। हालांकि मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने बताया कि अभी शहर में वीकेंड कर्फ्यू को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी शाम को महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे के साथ मीटिंग करने वाले हैं। इस बैठक में कोरोना से पैदा हालातों की समीक्षा की जाएगी। मुंबई में कोरोना वायरस के केसों में तेजी से इजाफा हो रहा है। गुरुवार को शहर में 20 हजार से ज्यादा केस मिले थे। इसके अलावा पूरे राज्य का आंकड़ा 36 हजार से ज्यादा का था। सूबे में एक्टिव केस 1 लाख के पार पहुंच गए हैं। चिंता की बात यह है कि मुंबई में कोरोना का पॉजिटिविटी रेट 30 फीसदी के पार पहुंच गया है। इसका अर्थ यह है कि जिन लोगों की भी टेस्टिंग की जा रही है, उनमें से हर तीसरा शख्स पॉजिटिव निकल रहा है। ऐसे में पाबंदियां बढ़ने की चिंता लोगों को सताने लगी है। इससे पहले मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा था कि यदि मुंबई में डेली केसों का आंकड़ा 20 हजार के पार पहुंचता है तो फिर लॉकडाउन जैसी पाबंदियां लग सकती हैं। यही नहीं मंगलवार को उन्होंने लोगों को सलाह दी थी कि यदि आपको कोरोना से बचना है तो फिर सार्वजनिक वाहनों में सफर करने या पब्लिक प्लेस पर ट्रिपल लेयर मास्क पहनना होगा। इसके अलावा उन्होंने लोगों से वैक्सीनेशन कराने और जरूरी नियमों का पालन करने की भी अपील की। बता दें कि देश में तेजी से कोरोना केसों में इजाफा हो रहा है। शुक्रवार को सुबह बीते एक दिन में 1.17 लाख नए केसों का आंकड़ा सामने आया है। एक्टिव केस भी अब तेजी से बढ़ रहे हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि तीसरी लहर में कोरोना संक्रमित लोगों के अस्पतालों में जाने का आंकड़ा कम है।

विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम के दूसरे चरण के लिए टीसीएस से समझौता किया

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम के दूसरे चरण (पीएसपी-वी2.0) के लिए टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड के साथ समझौता किया है। जिसमें डेटा सुरक्षा और उपभोक्ताओं के अनुभवों को अगले स्तर तक ले जाने का प्रावधान है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है, जहां पहले से कोई 'पासपोर्ट सेवा केंद्र' अथवा 'डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र' नहीं हो। इसमें कहा गया है कि सरकार पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम के तहत बायोमैट्रिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत डेटा एनालिटिक्स एवं स्वतः प्रतिक्रिया का उपयोग कर प्रौद्योगिकी उन्नय की योजना पर काम करेगी।गौरतलब है कि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड 10 वर्षों से अधिक समय से पासपोर्ट सेवा परियोजना में सेवा प्रदाता के रूप में जुड़ी हुई है। पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम के दूसरे चरण (पीएसपी-वी2.0) को (पीएसपी-वी1.0) से आगे बढ़ाना है। जो ई गवर्नेंस उपकरण के रूप में नागरिकों को पासपोर्ट से जुड़ी सेवाएं पहुंचाने की मंत्रालय की पहल है।

यूजीसी का आदेश, डिजिलॉकर में उपलब्ध डिग्री, अंकपत्रों और अन्य दस्तावेजों को वैध प्रमाणपत्र माने

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को डिजिलॉकर खातों में उपलब्ध डिग्री, अंकपत्रों और अन्य दस्तावेजों को वैध प्रमाणपत्रों के रूप में स्वीकार करने का आदेश दिया है। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को कहा, %जैसा कि आप जानते हैं, राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार (एनएडी) अकादमिक संस्थानों द्वारा डिजिटल प्रारूप में रखे गए अकादमिक पुरस्कारों (डिग्री और अंकपत्र) का एक ऑनलाइन भंडार है। यह छात्रों को सीधे डिजिटल प्रारूप में प्रामाणिक दस्तावेज और प्रमाणपत्र प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है।%% पत्र में कहा गया है कि सभी विश्वविद्यालय और कॉलेज डिजिलॉकर खातों में उपलब्ध डिग्री, अंकपत्रों और अन्य दस्तावेजों को वैध प्रमाणपत्रों के रूप में स्वीकार करें। शैक्षणिक संस्थान डिजिलॉकर एनएडी पोर्टल के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं और अपने संस्थान के शैक्षणिक पुरस्कारों को एनएडी पर अपलोड कर सकते हैं।

देश में बहुत अधिक सार्वजनिक छुट्टियां उन्हें बढ़ाने के बजाय कम करने का समय: बॉम्बे हाई कोर्ट

नई दिल्ली ।

देश में बहुत अधिक सार्वजनिक छुट्टी हैं और उन्हें बढ़ाने के बजाय कम करने का समय आ गया है। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने ये टिप्पणी दादरा और नगर हवेली में 2 अगस्त को सार्वजनिक छुट्टी में शामिल न किए जाने वाली याचिका को खारिज करते हुए की। दादर नागर हवेली के एक निवासी ने सार्वजनिक छुट्टी न दिए जाने को लेकर हाई कोर्ट में याचिका डाली थी। याचिकाकर्ता ने कहा था कि इस दिन केंद्र शासित प्रदेश में छुट्टी हुआ करती थी क्योंकि इस दिन हमे पुर्तगाली शासन से मुक्त मिली थी, इसे 2020 तक मनाया जा रहा था लेकिन 2021 से बंद कर दिया गया है। पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए यह भी कहा कि 'सार्वजनिक छुट्टी के लिए कोई कानूनी रूप से लागू करने योग्य मौलिक अधिकार नहीं है और किसी विशेष दिन को सार्वजनिक छुट्टी या वैकल्पिक अवकाश घोषित करना सरकार की नीति का मामला है।' न्यायमूर्ति गौतम पटेल और न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने किशनभाई घुटिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि 2 अगस्त 1954 को केंद्र शासित प्रदेश को पुर्तगालियों से मुक्ति मिली थी, तब से ये दिन मनाया जा रहा है लेकिन 29 जुलाई, 2021 से इसे बंद कर दिया गया था। हाई कोर्ट में याचिकाकर्ता अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि यदि देश के स्वतंत्रता दिवस को चिह्नित करने के लिए 15 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था, तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि 2 अगस्त को दादरा और नगर हवेली के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं किया जाना चाहिए। अधिवक्ताओं ने केंद्र शासित प्रदेश से संबंधित हाई कोर्ट की एक अन्य पीठ के 15 अप्रैल 2019 के आदेश का भी उल्लेख किया, जिसमें 'गुड फाइडे' को प्रतिबंधित (वैकल्पिक) छुट्टी के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन राजपत्रित छुट्टी नहीं। हाई कोर्ट में सवाल किया गया कि सरकार को गुड फ्राइडे को राजपत्रित अवकाश घोषित करने का निर्देश दिया था क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश की आबादी में ईसाई शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की ये अंक पॉलिसी, सीबीएसई बोर्ड के छात्रों को बड़ी राहत

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने देश के लाखों सीबीएसई छात्रों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने एक फैसले में सीबीएसई की एक मार्क्स पॉलिसी को खारिज कर दिया है,इसके बाद स्टूडेंट्स के पास अपना बेस्ट मार्क्स चुनने का विकल्प रहेगा। न्यायमूर्ति एएम खानविलकर और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) अंतिम परिणाम की घोषणा के लिए प्रतिभागी को अंतिम शैक्षणिक वर्ष में किसी विषय में प्राप्त दो अंकों में से बेहतर को स्वीकार करने का विकल्प प्रदान करेगा। न्यायालय पिछले साल सीबीएसई द्वारा कक्षा 12 के अंकों में सुधार के लिये आयोजित परीक्षा में शामिल हुए कुछ छात्रों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि 17 जून, 2021 की नीति के खंड-28 में प्रावधान के बारे में शिकायत हुई है, जिसमें कहा गया है कि '... इस नीति के अनुसार, बाद की परीक्षा में प्राप्त अंकों को अंतिम माना जाएगा। पीठ ने कहा, 'इसके परिणामस्वरूप, हमें खंड-28 में उल्लेखित उस शर्त विशेष को खारिज करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि बाद की परीक्षा में अर्जित अंकों को अंतिम माना जाएगा।' न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की शिकायत है कि यह शर्त पिछली नीति को हटाकर जोड़ी गई है, जहां एक विषय में एक उम्मीदवार द्वारा प्राप्त दो अंकों में से बेहतर को परिणाम की अंतिम घोषणा में रखा जाना था। न्यायालय ने कहा कि सीबीएसई की ओर से पूर्व की नीति को हटाने के लिये कोई औचित्य नहीं बताया गया। सीबीएसई के पिछले साल 12वीं के बोर्ड के परीक्षा कोरोना के कारण रद्द कर दिए गए थे। याचिका निस्तारित करते हुए पीठ ने कहा कि उस नीति को अपनाए जाने की जरूरत थी, क्योंकि छात्रों द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना किया जा रहा है और यह अपने आप में उस प्रावधान को न्यायोचित ठहराता है जो छात्रों के लिए ज्यादा अनुकूल हो। शुरुआत में, सीबीएसई के वकील ने कहा कि इन छात्रों का मूल्यांकन सुधार परीक्षा के अनुसार किया गया है, और अब वे नीति का लाभ नहीं उठा सकते हैं। पीठ ने कहा, 'यह आपको कैसे प्रभावित करता है? हमें औचित्य दें, ऐसा क्यों संभव नहीं है। शीर्ष अदालत 11 छात्रों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्हें सीबीएसई ने 30:30:40 की मूल्यांकन नीति के आधार पर मूल परिणामों में उत्तीर्ण घोषित किया था और बाद में उन्हें पिछले साल अगस्त-सितंबर में आयोजित सुधार परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी गई थी।

कोरोना के खतरे के बाद नोएडा में मिनी लॉकडाउन और वीकेंड कर्फ्यू लगाने की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)।

कोरोना के बढ़ते खतरे को देखकर फिर मिनी लॉकडाउन और वीकेंड कर्फ्यू का दौर शुरू हो गया है। नोएडा में भी मिनी लॉकडाउन लगाने की तैयारी कर दी है। राजधानी में कोरोना के बढ़ते मामले को देखकर गाजियाबाद में होने वाली सीएम योगी की रैली को रद्द किया गया। ताजा दिशानिर्देशों के मुताबिक बिना मास के अब दुकान में सामान नहीं मिलेगा इसके अलावा जिम और स्विमिंग पूल भी बंद किए गए हैं। जिला प्रशासन का आदेश है कि मॉल और सिनेमा हॉल भी 50 प्रतिशत क्षमता के साथ ही खोले जाएंगे। अगर इसका उल्लंघन किया गया तब कड़ी कार्रवाई होगी। सभी नियम कायदों का पालन जिले के एसडीएम कराएंगे। नोएडा के कई बड़ी आईटी कंपनियों के दफ्तरों को वर्क फॉम होम का फार्मूला अपनाने के लिए कहा गया है। हालांकि अभी इस तरह का कोई भी फैसला सरकारी दफ्तरों के लिए नहीं आया है। बता दें इससे पहले नोएडा में ओमिक्रन का एक मरीज मिला था, जो पैरामाउंट सोसायटी में रहता है।इस वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी थी। हालांकि अभी पूरे सूबे में कोरोना वायरस पॉजिटिव लोगों की संख्या कम है।

नोएडा में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 709 मरीज मिले हैं।साथ ही सक्रिय मरीजों की संख्या 2,000 से अधिक होकर 2404 तक पहुंच गई है। इससे एक दिन पहले 600 मरीज मिले थे। वहीं बुधवार को 500 कोरोना संक्रमित मिले थे।यूपी में कोरोना के संक्रमण के मामलों में तेजी को देखकर मंगलवार को राज्य सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की थी। सीएम योगी ने राज्य में 14 जनवरी तक दसवीं तक के स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। साथ ही बीते कल यानी 6 जनवरी से यूपी में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया।

सीएम योगी आदित्यनाथ का अखिलेश यादव पर तंज

अयोध्या (एजेंसी)।

अयोध्या में छात्र-छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन बांटने आए सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व की सरकारों खासकर समाजवादी पार्टी के नेताओं को जमकर आड़े हाथ लिया। सीएम योगी ने कहा कि, पिछली सरकारों में युवाओं को ठगा जाता था। भर्तियां निकलती थीं तो चचा-भतीजा-भांजा सब अलर्ट वाली टोपी लगाकर वसूली पर निकल पड़ते थे। ये लोग अयोध्या के नाम तक से परहेज़ करते थे और आज दिन में कम से कम एक बार जय श्री राम जरूर बोलते हैं। अखिलेश यादव के सपने में भगवान कृष्ण के आने वाले बयान पर तंज कसते हुए योगी ने कहा कि, आज कुछ लोगों को भगवान कृष्ण सपने में आते हैं, लेकिन भगवान कृष्ण उनसे ऐसे ही कहते होंगे कि कैसे नालायक लोग हैं, मेरी जन्मभूमि पर सरकार आते ही दंगे करवा दिए। ये वही लोग हैं जो मथुरा, कोसीकलां का दंगा और जवाहरबाग जैसा कांड करते थे।अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर शुरू हुई स्मार्टफोन योजना के तहत उत्तर प्रदेश में अलग अलग जिलों में टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण का काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार 7 जनवरी को अयोध्या में 2 हजार युवाओं को वितरण कार्य किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, कई अभिभावक बच्चों को स्मार्टफोन या टैबलेट देने का खर्च वहन करने में असमर्थ होंगे, इसीलिए युवाओं को ये सुविधा दी जा रही है। बहुत सारे युवाओं को नहीं पता होता कि पाठ्यक्रम के पूरा करने बाद वो क्या करें। इसके लिए स्मार्टफोन टैबलेट में ऐसी सुविधा है कि युवा केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जान सकता है और बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो सकता है। कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि, कोरोना काल में राजस्थान के कोटा में लगभग 15 हजार बच्चे तैयारी कर रहे थे। उनके अभिभावकों पर कोरोना का भय छाने लगा। हमने उन बच्चों को उनके घर पहुंचाने के लिए राजस्थान सरकार से मदद मांगी, तो उन्होंने हाथ खड़े कर दिए। तब हमने 500 बसों से बच्चों को उनके घर भिजवाया। इसके बाद मैंने ये सोचा कि इन बच्चों को तैयारी करने के लिए बाहर न जाना पड़े, इसकी व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए हमने अभ्युदय कोचिंग की शुरुआत की। भाषण के दौरान पिछली सरकारों के कामकाज पर बोलते हुए योगी ने कहा कि इन्हें बहन बेटियों की चिंता नहीं थी। इनको आतंकियों की चिंता थी। इनकी सरकार आने पर पहला फैसला आतंकी मुकदमों को वापस लेने का कार्य होता था और हमने सरकार आने पर पहला फैसला अवैध बूचड़खानों को बंद करने का काम किया, बेटियों के लिए एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया, किसानों की कर्जमाफी का निर्णय लिया। पिछली सरकारें दरिद्रता अराजकता की प्रतीक थीं, जो विखंडन करके जातीय संघर्ष और दंगे करवाने के कार्य करती थीं। आज 5 साल में कोई दंगा नहीं हुआ। जो लोग कहते थे राम मंदिर का फैसला होगा तो खून की नदियां बहेंगी, मैंने कहा कि एक मच्छर भी नहीं मरेगा। अयोध्या में अब भौतिक विकास के भी कार्य हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बच्चों की वैक्सीनेशन को लेकर लापरवाही, सेंट्रल अकैडमी स्कूल की मान्यता रदद

भोपाल (एजेंसी)।

मध्यप्रदेश में बच्चों की वैक्सीनेशन को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। भिंड जिले में 15-18 वर्ष वर्ग के छात्रों के टीकाकरण में सहयोग ना करने और कौताही बरतने पर एक स्कूल की मान्यता रद्द करने की कार्रवाही की गई है। टीकाकरण में लापरवाही के चलते किसी स्कूल पर की जाने वाली प्रदेश में पहली कार्रवाही है। दरअसल भिंड प्रशासन की ओर से भी पूर्व में जिले के सभी शासकीय और अशासकीय स्कूलों को निर्देश जारी कर 15-18 वर्ष के छात्रों की जानकारी और उन्हें टीकाकरण के लिए सूचित करने के निर्देश जारी किए थे। टीकाकरण अभियान को सरकार और प्रशासन कितना संजीदा है। इस बात का अंदाजा भिंड जिले में हुई कार्रवाई को लेकर होता है। बता दें कि केंद्र और राज्य सरकारें कोविड-19 के खतरे को देखकर टीकाकरण अभियान पर विशेष फोकस किए है। हाल ही में तीसरी लहर में बच्चों पर कोरोना के प्रभाव का खतरा देखकर 15 से 18 वर्ष के बच्चों को टीकाकरण की इजाजत दी गई है।

आप ने भाजपा के दो पूर्व मंत्रियों को थमाया टिकट 10 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी

नई दिल्ली। गोवा में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। गोवा में आम आदमी पार्टी (आप) भी अपना दमखम दिखाने में जुटी हुई है। पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 10 प्रत्याशियों के नाम हैं। खास बात यह है कि आप ने इस बार गोवा के चुनावी रण में बीजेपी के दो पूर्व मंत्रियों और भाजपा के कुछ पूर्व नेताओं को भी टिकट थमाया है। जाहिर है इस बार गोवा में चुनावी रण बेहद दिलचस्प होगी। आम आदमी पार्टी ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को जिन 10 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की है उनमें एलिना सलदाहना और महादेव नायक का नाम भी शामिल है। यह दोनों ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व मंत्री रह चुके हैं। एलिना सलदाहना पर कार्टालिम तो वहीं महादेव नायक पर आम आदमी पार्टी को सिरोदा विधानसभा सीट से चुनावी दंगल में जीत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। इसके अलावा दो पूर्व भाजपा सदस्यों को भी आप ने टिकट थमाया है। इनमें पूर्व भाजपा नेता विश्वजीत के राणे और सत्यवीजय नायक शामिल हैं। राणे, पोरियम विधानसभा सीट से पार्टी के चेहरे होंगे जहां के वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रतापसिंह राणे मौजूदा विधायक हैं। वहीं सत्यविजय राणे वालपय से पार्टी के उम्मीदवार होंगे। पार्टी की तरफ से जो पहली सूची जारी की गई है उनमें सेंटा क्रूज विधानसभा सीट से अमित पलेकर, डोबलिम से बाबू नानोस्कर, बेनुलिम से विन्जी, नवेलिम से प्रतिमा और संगुएम सीट से अभिजीत देसाइ का नाम भी शामिल है। अभी तक आम आदमी पार्टी ने किसी भी पार्टी से गोवा में गठबंधन नहीं किया है। जिसके बाद यह कहा जा रहा है कि पार्टी यहां अपने दम पर चुनाव में उतरेगी। साल 2017 में भी पार्टी ने विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन किसी भी सीट पर उसकी जीत नहीं हुई थी। गोवा में विधानसभा की कुल 40 सीटें हैं। भारतीय जनता पार्टी यहां अभी सत्ता पर काबिज है। इस बार के चुनाव में टीएमसी ने भी उतरने का ऐलान पहले ही कर दिया था।

पीएम सुरक्षा चूक- केंद्रीय समिति ने पुलिस के एक दर्जन से अधिक अधिकारियों को तलब किया

चंड़ीगढ़ (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के दौरान उनकी सुरक्षा में चूक को लेकर गठित केंद्र की जांच समिति ने फिरोजपुर पहुंच कर प्यारेयाना फ्लाईओवर का मुआयना किया, जहां पर पीएम का काफिला रुका था। केंद्र सरकार द्वारा गठित समिति ने फिरोजपुर में बीएसएफ के कार्यालय में तीन जिलों के पुलिस अधीक्षकों सहित पंजाब के एक दर्जन से अधिक आला अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुलाया है। केंद्र की समिति ने हुसैनीवाला का भी दौरा किया है जहां पीएम का कार्यक्रम निर्धारित था। उधर पंजाब के मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी ने प्रधानमंत्री मोदी के पंजाब दौरे के दौरान उनकी सुरक्षा को लेकर हुई चूक की घटना के संबंध में केन्द्र सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी है। समिति का नेतृत्व कैबिनेट सचिवालय के सचिव (सुरक्षा) सुधीर कुमार सक्सेना कर रहे हैं और इसमें खुफिया ब्यूरो के संयुक्त निदेशक बलबीर सिंह और विशेष सुरक्षा समूह के आईजी एस सुरेश शामिल हैं। राज्य सरकार द्वारा केंद्र को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि घटना के सिलसिले में एफआईआर दर्ज की गई है और राज्य सरकार ने खामियों की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन किया है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी ने बुधवार को पीएम मोदी के दौरे पर हुई घटनाओं को लेकर सिलसिलेवार जानकारी साझा की है। गौरतलब है कि पंजाब में बुधवार को प्रदर्शनकारियों द्वारा नाकाबंदी करने के कारण प्रधानमंत्री का काफिला फिरोजपुर में फ्लाईओवर पर कुछ देर तक फंसा रहा। इसके बाद वह एक रैली सहित किसी भी कार्यक्रम में शामिल हुए बिना पंजाब से दिल्ली लौट गए थे। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने भी राज्य सरकार को तत्काल रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हुए कहा था कि उसने आवश्यक तैनाती सुनिश्चित नहीं की थी।

सार समाचार

आईआसआईएस के खतरे से निपटने के लिए तालिबान ने उठाया कदम, आत्मघाती हमलावरों की करेगा सेना में भर्ती

काबुल। तालिबान आधिकारिक तौर पर सेना का हिस्सा बनने के लिए आत्मघाती हमलावरों की भर्ती करेगा। काबुल पर कब्जे के बाद से प्रतिद्वंद्वी इस्लामिक स्टेट तालिबान के लिए सबसे बड़े सुरक्षा खतरे के रूप में सामने आया है। पिछले साल सत्ता में आने से पहले, तालिबान ने 20 साल के युद्ध में अमेरिकी और अफगान सैनिकों पर हमला करने और उन्हें हराने के लिए आत्मघाती हमलावरों को एक महत्वपूर्ण हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था। तालिबान के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा कि अब समूह एक इकाई के तहत काम करने और अफगानिस्तान की रक्षा के लिए देश भर में आत्मघाती हमलावरों के बिखरे हुए दस्तों को सुधारना और संगठित करना चाहता है। उनका मुख्य लक्ष्य अब इस्लामिक स्टेट की स्थानीय शाखा होगी। करीमी ने कहा कि विशेष बल जिनमें जान कुर्बान करने वाले शामिल हैं का उपयोग अधिक परिष्कृत और विशेष अभियानों के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी समूह देश भर में और सीमाओं पर रक्षा को मजबूत करने के लिए एक मजबूत और संगठित सेनाह का निर्माण कर रहा है, जिसमें आत्मघाती हमलावर रणनीति का एक अभिन्न हिस्सा बन रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा , इस बीच, तालिबान शासन ने कहा है कि वह सीमा पर बाड़ लगाने के विवादास्पद मुद्दे पर पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच डूरंड रेखा पर पाकिस्तान द्वारा बाड़ लगाने की अनुमति नहीं देगा।' तालिबान के कमांडर मावलवी सनाउल्लाह संगीन ने बुधवार को अफगानिस्तान के टोलो न्यूज को बताया, "हम (तालिबान) किसी भी समय, किसी भी रूप में बाड़ लगाने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने (पाकिस्तान ने) पहले जो कुछ किया, हम अब इसकी अनुमति नहीं देंगे। अब कोई बाड़ नहीं होगी।'

पिछले हफ्ते कोरोना के नए मामलों में दर्ज की गई 71 फीसदी बढ़ोतरी : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा 27 दिसंबर से दो जनवरी के दौरान इससे पिछले सप्ताह के मुकाबले कोरोना संक्रमण के नए वैश्विक मामलों में 71 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि इसी अवधि में मौत के मामलों में 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन को नए मामलों में वृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख ने चेतावनी दी है कि ओमीक्रोन के कारण आई सुनामी ने दुनियाभर में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर बोझ को बहुत बढ़ा दिया है। डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी कोविड-19 के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल अक्टूबर से संक्रमण के मामलों में क्रमिक वृद्धि के बाद वैश्विक स्तर पर 27 दिसंबर से दो जनवरी के सप्ताह के दौरान इससे पिछले सप्ताह की तुलना में संक्रमण के नए मामलों में 71 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस अवधि में संक्रमण के कारण मौत के मामलों में 10 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह दुनियाभर में संक्रमण के करीब 95 लाख नए मामले सामने आए, जबकि 41,000 से अधिक मरीजों की मौत हो गई। आंकड़ों के मुताबिक सभी क्षेत्रों में साप्ताहिक मामलों में वृद्धि देखी गई जिसमें से अमेरिका में सर्वाधिक 100 फीसदी का इजाफा हुआ। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रस अधानम घेब्रेयेसस ने कहा, पिछले सप्ताह, महामारी के बाद से अब तक सर्वाधिक मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही हम जानते हैं कि शायद अवकाश के कारण नमूनों की जांच लंबित रहने के कारण मामलों की वास्तविक संख्या इससे अधिक भी हो सकती थी। जिनेवा में उन्होंने चेताया कि वायरस का नया स्वरूप ओमीक्रोन, भले ही डेल्टा स्वरूप से कम गंभीर प्रतीत होता हो, लेकिन इसका यह कतई मतलब नहीं है कि इसे हल्की श्रेणी में रख जाना चाहिए।

डेमोक्रेटिक पार्टी कार्यालय के बाहर जब पाइप बम मिला था, तब उपराष्ट्रपति कमला हैरिस थीं वहीं : रिपोर्ट

वॉशिंगटन । एक साल पहले भारतवंशी-अमेरिकी कमला हैरिस जब अमेरिका की पहली महिला उपराष्ट्रपति बनी तब वे बाल-बाल बची थीं। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, पिछले साल 6 जनवरी को जब उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी के दफ्तर के बाहर पाइप बम मिला था, तब कमला हैरिस वहीं मौजूद थीं। एफबीआई के सूत्रों के हवाले से खबर में बताया गया है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के दफ्तर में उस वक्त राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक चल रही थी। उसमें नव-निर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी मौजूद थीं। तभी बाहर सुरक्षाकर्मियों को पाइप बम मिला, जो कभी भी फट सकता था। लिहाजा, आनन-फानन में सुरक्षाकर्मियों द्वारा कमला हैरिस को वहां से बाहर निकाल लाया गया।
गौरतलब है कि अमेरिकी संसद पर पिछले साल 6 जनवरी को निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों ने बड़ी संख्या में हमला किया था। इसी दौरान ये पाइप बम पाए गए थे। ट्रंप समर्थक हमलावरों का आरोप था कि चुनाव में जो बाइडेन ने धोखाधड़ी से जीत हासिल की है। हालांकि बाइडेन ने लोकप्रियता के सभी मापदंड तोड़ते हुए करीब 70 लाख वोटों से जीत हासिल की थी। यह बात बाद में डोनाल्ड ट्रंप को भी माननी ही पड़ी थी और मुश्किल से सही पर राष्ट्रपति का पद छोड़ना पड़ा था। इस घटना के एक साल पूरा होने पर अभी गुरुवार, 6 जनवरी को राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने फिर उस मामले का जिक्र किया। दोनों ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम नहीं लिया। लेकिन उनकी तरफ इशारा करते हुए कहा, 'लोकतंत्र इतनी नाजुक व्यवस्था है कि अगर हम सचेत नहीं रहे, इस पर निगाह नहीं रखी तो हम इसकी सुरक्षा नहीं कर सकते। इसमें कई खामियां आ जाएंगी। यह विफल हो जाएगी।' इस मौके पर कमला हैरिस ने कहा, 'हम अपना भविष्य उन लोगों के भरोसे नहीं छोड़ सकते, जो हमारी आवाज दबाना चाहते हैं।

ब्रिटेन में पाक मूल के नेता लॉर्ड नजीर अहमद बच्चों के साथ दुष्कर्म के दोषी घोषित

लंदन । ब्रिटेन में कश्मीरी और खालिस्तानी अलगाववादियों के समर्थक लॉर्ड नजीर अहमद ने बच्चों के के साथ दुष्कर्म जैसे घिनौने अपराध के दोषी करार दिए गए हैं। इस संबंध में दो बच्चों द्वारा लॉर्ड नजीर पर लगाए गए आरोपों को लंदन की शैफील्ड क्राउन कोर्ट ने सही पाया है। कश्मीरी और खालिस्तानी अलगाववाद की खुलकर पुरजोर वकालत करने वाले पाकिस्तानी मूल के लॉर्ड नजीर ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नेता रहे हैं। हालांकि उन्हें पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है। उन पर एक लड़के के साथ दुष्कर्म और लड़की के साथ बलात्कार की कोशिश के आरोप सही सिद्ध हुए हैं। यह मामले उस वक्त के जब नजीर अपने किशोरपन में हुआ करते थे, 1970 के दशक में। लॉर्ड नजीर के खिलाफ आरोप सामने के बाद उनके खिलाफ जांच और अदालती सुनवाई की लंबी प्रक्रिया चली है। अभियोजन पक्ष के वकील टॉम लिटिल ने अदालत को बताया है कि जब नजीर अहमद 17 साल के थे, उस वक्त उन्होंने अपने से बहुत छोटी उम्र की लड़की के साथ बलात्कार की कोशिश की। लगभग इसी दौर में उन्होंने 11 साल के एक लड़के के साथ दुष्कर्म किया। यही नहीं, पाकिस्तानी मूल के एक अन्य नेता इमरान अहमद खान भी इन दिनों ब्रिटेन में ऐसे ही आरोपों का सामना कर रहे हैं। उन पर भी एक 15 साल के लड़के ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। इस आरोप से संबंधित मुकदमा मार्च में शुरू होने वाला है। सुनवाई करीब दो सप्ताह चलेगी।

अलमाटी में कजाकिस्तान के अधिकारी ईंधन की बढ़ती हुई कीमतों का विरोध कर रहे लोगों पर नियंत्रण का प्रयास करते हुए।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी दूसरी बार कोरोना वायरस से संक्रमित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह दूसरी बार कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं। देश वैश्विक महामारी की पांचवी लहर से जूझ रहा है। अल्वी ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उन्हें हल्का बुखार है और कोई अन्य लक्षण नहीं हैं। उन्होंने ट्वीट किया, 'मैं फिर से कोविड-19 की जद में हूं। पिछले चार-पांच दिन से गले में दर्द था और ठीक हो रहा था। दो रात पहले कुछ घंटों के लिए हल्का बुखार आया। कोई अन्य लक्षण नहीं थे।' उन्होंने लोगों से सरकार द्वारा घोषित दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा, दोस्तों, कृपया सावधानियां फिर से बरतनी शुरू कर दें और मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करें।' अल्वी पिछले साल 29 मार्च को पहली बार संक्रमित हुए थे। उससे पहले वह कोविड-19 टीके की पहली खुराक ही ले सके थे। राष्ट्रपति उस दिन संक्रमित मिले जिस दिन पाकिस्तान में लगभग तीन महीनों में पहली बार 1,000 से अधिक मामले सामने आाए। यह वृद्धि ओमीक्रोन स्वरूप के कारण हुई है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल बाजवा के सेवा विस्तार पर फैसले में अभी वक्त है : इमरान खान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उन्होंने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के कार्यकाल के विस्तार के बारे में अभी नहीं सोचा है क्योंकि उनके कार्यकाल के समाप्त होने में अब भी समय है। मीडिया में शुक्रवार को इस बारे में रिपोर्ट आई। 'डॉन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बाजवा के कार्यकाल में विस्तार के विवादास्पद मुद्दे पर प्रधानमंत्री खान ने कहा कि सैन्य नेतृत्व के साथ उनके अभूतपूर्व संबंध हैं। प्रधानमंत्री के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, 'मौजूदा साल अभी शुरू ही हुआ है और नवंबर अभी दूर है। फिर सेना प्रमुख के कार्यकाल में विस्तार की चिंता क्यों है।'
खान ने कहा कि उन्होंने अब तक सीओएएस बाजवा के कार्यकाल में विस्तार के बारे में नहीं सोचा है। बाजवा (61) सेना प्रमुख के पद पर 28 नवंबर, 2022 तक रहेंगे। खान के करीबी, बाजवा अपने तीन साल के मूल कार्यकाल के खत्म होने पर 29 नवंबर, 2019 को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन प्रधानमंत्री खान ने एक अधिसूचना के माध्यम से क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए सेना प्रमुख को उतने ही समय का एक और सेवा विस्तार दिया। उच्चतम न्यायालय ने 28 नवंबर को सरकारी आदेश को यह कहकर निलंबित कर दिया कि सेना प्रमुख के कार्यकाल को बढ़ाने के लिए कोई कानून नहीं है। लेकिन शीर्ष अदालत ने सरकार के इस आश्वासन पर जनरल बाजवा को छह महीने का विस्तार दिया कि संसद छह महीने के भीतर किसी सेना प्रमुख के सेवा विस्तार/पुनर्नियुक्ति पर कानून पारित करेगी।
सरकार ने प्रारंभिक गतिरोध के बाद मुख्य विपक्षी दलों का समर्थन हासिल किया और सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुखों और ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ समिति के अध्यक्ष पद के लिए सेवानिवृत्ति की आयु 60 से 64 वर्ष तक बढ़ाने के संबंध में नेशनल असेंबली में तीन विधेयक पेश किए। सरकार गिराने के संबंध में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और सेना के बीच संभावित समझौते की अफवाहों के बारे में खान ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से किसी तरह के दबाव में नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रिकेटर से नेता बने खान ने कहा कि उन्हें सहयोगियों का समर्थन प्राप्त है और उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी सरकार 2023 तक पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी।

आज के ही दिन हुआ था अमेरिकी संसद भवन पर हमला, जो बाइडेन ने ट्रंप को आड़े हाथों लिया

वाशिंगटन। (एजेंसी)

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों पर चुनाव को लेकर झूठ बालने और लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया। कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) पर हुए हमले के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर बाइडन ने यह बयान दिया। गौरतलब है कि ट्रंप ने तीन नवंबर 2020 को हुए राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार नहीं की थी और उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। ट्रंप के इन आरोपों के बीच संसद भवन पर उनके समर्थकों ने छह जनवरी को कथित तौर पर हिंसा की थी। बाइडन ने कहा, 'इतिहास में पहली बार, एक राष्ट्रपति केवल चुनाव नहीं हारा, बल्कि हिंसक भीड़ के कैपिटल में हिंसा करने से, उसने सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को रोकने की कोशिश भी की। पूर्व राष्ट्रपति के समर्थक इतिहास को पुनःलिखने की कोशिश कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि आप चुनाव के दिन को विद्रोह के दिन के रूप में और छह जनवरी को यहां हुए दंगों को लोगों की इच्छा की सच्ची अभिव्यक्ति के रूप में देखें।' राष्ट्रपति ने कहा, 'हमें इस बात को लेकर स्पष्ट होना चाहिए कि क्या सच है और क्या झूठ। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने 2020 चुनाव को लेकर कई झूठ फैलाएं हैं। कैपिटल में बाइडन के भाषण के दौरान अधिकतर रिपब्लिकन सांसदों की अनुपस्थिति या चुप्पी ने देश में विभाजन को काफी हद तक रेखांकित किया। इससे पहले, हमेशा बाइडन ने हमले का उल्लेख काफी संयम से किया था, लेकिन बृहस्पतिवार को उन्होंने काफी आक्रामक भाषण दिया।

जापान के यह कारोबारी है बहुत अमीर, अंतरिक्ष की यात्रा करने के बाद अब लगाएगा चांद के चक्कर

तोक्यो। (एजेंसी)

जापान के अरबपति कारोबारी युसाकु मीजावा अंतरिक्ष में 12 दिन बिताने के बाद अब चंद्रमा की सैर पर जाना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क की महत्वाकांक्षी परियोजना स्टार्टशिप के साथ करार भी किया है। युसाकु मीजावा कई वर्षों से अंतरिक्ष की यात्रा से जुड़े व्यवसाय में कदम रखना चाहते थे और आखिरकार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र से एक ट्वीट कर इसकी पुष्टि कर दी है। अरबपति कारोबारी ने 'स्पेस नाउ (अब अंतरिक्ष)' ट्वीट कर खुद के अंतरिक्ष से जुड़े कारोबार में कदम रखने की घोषणा की। युसाकु मीजावा ने अंतरिक्ष से लौटने के बाद शुक्रवार को राजधानी तोक्यो में पहली बार विदेशी संवाददाताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'अंतरिक्ष से जुड़े कारोबार में बहुत अधिक संभावनाएं हैं।'
युसाकु मीजावा क्रिसमस से पूर्व धरती पर लौट गए थे। युसाकु मीजावा स्टार्ट टुडे नामक एक कंपनी के मालिक हैं और वह अमेरिका के अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की विभिन्न परियोजनाओं में निवेश करने की योजना बना रहे हैं। जापानी कारोबारी की अपने देश की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा और अन्य संस्थानों की परियोजना में भी निवेश करने की योजना है। युसाकु मीजावा (46) रूसी अंतरिक्ष यान सोयुज में बैठकर आठ दिसंबर को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे। वह 2009 के बाद पर्यटक के रूप में अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने अपनी यात्रा का पूरा खर्च स्वयं उठाया।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज बनेंगी आयशा मलिक, बार काउंसिल ने दे डाली धमकी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

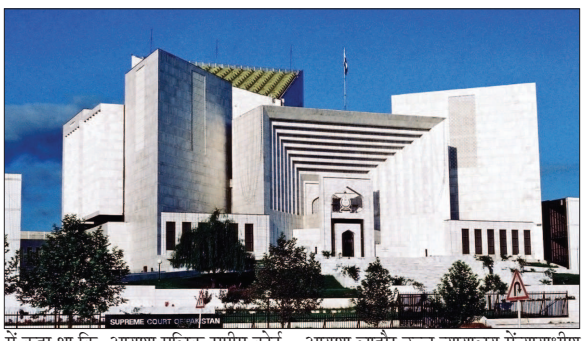

पाकिस्तान में पहली बार एक महिला सुप्रीम कोर्ट की जज बनने जा रही है। लाहौर हाई कोर्ट की जस्टिस आयशा मलिक अब पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज का पद संभालेगी। पाकिस्तानी अखबार डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधान न्यायाधीश गुलजार अहमद की अध्यक्षता में पाकिस्तान के न्यायिक आयोग ने गुरुवार को न्यायमूर्ति आयशा मलिक को पांच मतों के बहुमत से सुप्रीमकोर्ट का जज बनने को लेकर मंजूरी दे दी है। बता दें कि, आयशा मलिक के पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के जज बनने के निर्णय पर दूसरी बार बैठक की गई थी। इससे पहले पिछले साल 9 सितंबर को आयशा का नाम जज के लिए दिया गया था लेकिन सबका मत नहीं मिलने के कारण आयशा का नाम खारिज कर दिया गया था।

बार एसोसिएशन ने किया था विरोध

बता दें कि, न्यायमूर्ति आयशा मलिक के सुप्रीम कोर्ट जज की नियुक्ति को लेकर कई विरोध भी हुए। पाकिस्तान के बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल लतीफ अफरीदी ने देशव्यापी विरोध किया था और मीडिया से बातचीत के दौरान अपने बयान में कहा था कि, आयशा मलिक सुप्रीम कोर्ट के जज की नियुक्ति के लिए जुनियर हैं। गुरूवार को पाकिस्तान बार काउंसिल ने धमकी भी दी थी कि अगर जस्टिस आयशा मलिक को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया तो कोर्ट का बहिष्कार किया जाएगा। हालांकि, पाकिस्तान के न्यायिक आयोग के सिफारिश पर संसदीय समिति काफी सहमत है और इसलिए जस्टिस आयशा मलिक अब पाकिस्तान की पहली महिला सुप्रीम कोर्ट की जज बनने के कगार पर आ चुकी हैं।

कौन है आयशा मलिक

आयशा मलिक ने हार्वर्ड लॉ स्कूल से एलएलएम ग्रेजुएट किया है।साल 2012 में आयशा लाहौर उच्च न्यायालय मेंन्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुई थी। इससे पहले वह एक प्रमुख कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक कानून फर्म में पार्टनर भी रह चुकी हैं। इस दौरान वह लाहौर उच्च न्यायालय में चौथी सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। आयशा को उनके अनुशासन, निष्पक्षता और अखंडता के लिए जाना जाता है। आयशा ने कई मुद्दों पर फैसला सुनाया है जिसमें से चुनावों में संपत्ति की घोषणा, गन्ना उत्पादकों को भुगतान और पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता लागू होना शामिल है। अगर आयशा सुप्रीम कोर्ट के जज के लिए नियुक्त हो जाती है तो वह साल 2031 तक काम करेंगी।

अमेरिका के अस्पतालों में 100 फीसदी वेंटिलेटर का हो रहा इस्तेमाल, विशेषज्ञ का दावा- ओमीक्रोन को हल्के में न लें, मास्क पहनें

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)

अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण ने सबसे ज्यादा हड़कंप मचाया हुआ है। यहां पर हर दिन 10 लाख से अधिक कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आ रहे हैं। संक्रमितों को अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है, लेकिन कोरोना का मौजूद वेरिएंट डेल्टा की तुलना में हल्का है। विशेषज्ञों का मानना है कि अस्पतालों में वेंटिलेटर की जररूत नहीं पड़ रही है। सामने आ रहे इस तरह के दावों के बीच अमेरिकी महामारी विशेषज्ञ फहीम योनुस ने सभी को चेताते हुए कहा कि कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' को हल्का समझने की भूल नहीं करें। उन्होंने कहा कि इस ओमीक्रोन को हल्के में न लें, क्योंकि उनके अस्पताल में सारे वेंटिलेटर भर गए हैं। अमेरिकी यूनिवर्सिटी ऑफ मेरिलैंड में महामारी मामलों के विशेषज्ञ डॉ. फहीम योनुस ने मेरिलैंड के अस्पताल में आईसीयू भरे होने की जानकारी देते हुए एक ट्वीट में लिखा कि मेरे अस्पतालों में 100 फीसदी वेंटिलेटर का इस्तेमाल कोरोना मरीजों के लिए हो रहा है। मास्क पहने, कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लें और भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। वहीं उन्होंने इस तरह के दावों को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया कि ओमीक्रोन से बचना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आप इस खतरे से बच सकते हैं और आपको इससे बचना चाहिए। दरअसल, उन्होंने मास्क पहनने और वैक्सीन की बूस्टर डोज लेने पर जोर दिया।

ओमीक्रोन से बचने के लिए लें बूस्टर डोज !

डॉ. फहीम योनुस ने एक अन्य ट्वीट में संक्रमित हो रहे लोगों की क्रोनोलॉजी समझाई। उन्होंने अपने अस्पताल के कोरोना मरीजों के आंकड़ों के हिसाब से एक डेटा तैयार किया। जिसके मुताबिक उनके अस्पताल में भर्ती हुए कोरोना संक्रमितों में से 76 फीसदी ऐसे हैं, जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली है। जबकि वैक्सीन की एक या फिर दो डोज ले चुके संक्रमित लोगों की संख्या 24 फीसदी है और बूस्टर डोज लेना वाला कोई भी संक्रमित व्यक्ति उनके अस्तपाल में नहीं है। वहीं उन्होंने एक अध्ययन के माध्यम से बताया कि बूस्टर डोज ने कोरोना से होने वाले मौत के खतरे को 90 फीसदी तक कम कर दिया है।

कुछ हफ्तों में खत्म हो जाएगी लहर

डॉ. फहीम योनुस का मानना है कि ओमीक्रोन की लहर कुछ हफ्तों में खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आप इस संक्रमण को रोक सकते हैं। इसके लिए आप लोगों को मास्क पहनना पड़ेगा और भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूरियां बनानी होगी। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि यह एक खतरनाक और लापरवाह विचार है कि 'ओमीक्रोन इतना ज्यादा संक्रामक है कि सभी इसकी चपेट में आ जाएंगे। इसे रोकने की कोशिश करने का कोई मतलब नहीं है। यह सबसे अच्छी वैक्सीन है।

सीरिया में आईएसआईएल सक्रिय, रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के आरोपों पर अत्यधिक ध्यान की जरूरत: भारत

संयुक्त राष्ट्र। आईएसआईएल के सीरिया में सक्रिय रहने और युद्धक क्षमताओं को फिर से मजबूत करने की कोशिशों के बीच भारत ने जोर देकर कहा है कि रासायनिक हथियारों के उपयोग के आरोपों पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत ने आतंकवादी संगठनों और व्यक्तियों के रासायनिक हथियारों तक पहुंच की संभावना के प्रति आगाह किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने कहा, 'भारत बार-बार इस क्षेत्र में आतंकवादी संगठनों और रासायनिक हथियारों तक पहुंच प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की आशंका के प्रति आगाह करता रहा है।' बुधवार को सीरिया (रासायनिक हथियार) पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की चर्चा में, तिरुमूर्ति ने कहा कि दाएश / आईएसआईएल (यूनिटाड) द्वारा किए गए अपराधों के लिए जवाबदेही पर जोर देने के लिहाज से जांच दल की रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी समूह द्वारा रासायनिक हथियारों की बार-बार तैनाती का भी उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा, 'आईएसआईएल सीरिया में सक्रिय है, जहां समूह अपनी लड़ाकू क्षमताओं के पुनर्निर्माण की कोशिश कर रहा है। इसलिए, रासायनिक हथियारों के उपयोग के आरोपों पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।' तिरुमूर्ति ने परिषद को बताया कि भारत किसी के द्वारा, कहीं भी, किसी भी समय और किसी भी परिस्थिति में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के खिलाफ है।

सुविचार जिस प्रकार नेत्रहीन के लिए दर्पण बेकार है उसी प्रकार बुद्धिहीन के लिए विद्या बेकार है। - प्रेमचंद

संपादकीय

संक्रमण का विस्फोट

आशंका के अनुरूप कोरोना महामारी का प्रकोप फिर तेज हो गया है, लेकिन लापरवाही के जो नमूने पेश हो रहे हैं, उनकी कड़े शब्दों में निंदा होनी चाहिए। ताजा लापरवाही तो निंदनीय ही नहीं, अक्षम्य भी है। इटली से अमृतसर पहुंची एक फ्लाइट में कोरोना का विस्फोट सामने आया है। फ्लाइट में कुल 179 यात्रियों में से 125 यात्री संक्रमित पाए गए हैं। यह अपनी तरह का अकेला मामला है, जब इतने बड़े पैमाने पर कोरोना रोगी यात्रा करते पाए गए हैं। गौर करने की बात है कि इटली दुनिया के उन शुरुआती देशों में शामिल था, जहां कोरोना ने सबसे पहले कहर बरपाया था। अभी इटली में भी कोरोना ने तगड़ी वापसी की है। मंगलवार को छह करोड़ से भी कम आबादी वाले देश इटली में रिकॉर्ड 1,70,844 नए मामले सामने आए हैं, मतलब इटली का कोरोना से बहुत बुरा हाल है। ऐसे में, वहां से भारत के लिए हवाई सेवा को कैसे मंजूरी दी जा सकती है? साफ है, इटली में विमान यात्रा से पहले यात्रियों को जांच से नहीं गुजरना पड़ा है। वह तो भला हो कि अमृतसर में यात्रियों के उतरते ही जांच हुई और सभी को क्वारंटीन कर दिया गया। इटली प्रशासन की कोताही पर आधिकारिक रूप से आपत्ति जतानी चाहिए और विमान सेवा चला रही कंपनियों को भी कठघरे में खड़ा करना चाहिए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इटली जोखिम वाले देशों में शामिल है, इसलिए कोरोना प्रोटोकॉल के तहत 160 यात्रियों का कोरोना टेस्ट किया गया, जिसमें 125 कोरोना संक्रमित पाए गए। कोरोना लेकर आया यह विमान बीच रास्ते में जॉर्जिया की राजधानी टिब्लिसी में ईंधन भरवाने उतरा था। यह चार्टर उड़ान पुर्तगाली कंपनी यूरोअटलांटिक एयरवेज द्वारा संचालित है, इससे संकेत मिलता है कि ज्यादातर निजी विमानन कंपनियां सुरक्षा मानदंडों को ताक पर रखकर कमाई करने में जुटी हैं। लापरवाह कंपनियों की सेवा को तत्काल प्रभाव से रोकना चाहिए। उन तमाम देशों से उड़ानों की समीक्षा करनी चाहिए, जहां से कोरोना भारत आ सकता है। अगर पूरी तरह से सेवा को न रोका जाए, तो कम से कम उन्हीं यात्रियों को विमान में चढ़ने की इजाजत दी जाए, जो संक्रमित न हों। अमृतसर की घटना सबक है, तमाम हवाई अड्डों पर चौकसी बढ़ा देनी चाहिए। हम कोरोना दिशा-निर्देशों से समझौता नहीं कर सकते। अच्छी चिकित्सा व्यवस्था वाले देशों में भी लोग लापरवाही बरत रहे हैं, लेकिन यह खतरा हम नहीं उठा सकते। भारत में भी आए दिन कोरोना मामलों का रिकॉर्ड टूट रहा है। अब एक दिन में 90 हजार से ज्यादा मामले सामने आने लगे हैं और मामलों की बढ़ोतरी दर प्रतिदिन बढ़ रही है। गनीमत है कि अभी जान गंवाने वालों की संख्या ज्यादा नहीं है और हर प्रकार से कोशिश करनी चाहिए कि स्थितियां दूसरी लहर जैसी न हों। मरीजों की संख्या बढ़ी है, लेकिन अस्पतालों पर अभी दबाव नहीं है। केंद्र सरकार भी राज्य सरकारों को लगातार निर्देशित कर रही है, विशेषज्ञों की सलाह पर चलना समय की मांग है। कोरोना जांच की सुविधाओं को सरकारी स्तर पर बढ़ाना जरूरी है, निजी क्षेत्र जब जांच के व्यवसाय में सक्रिय हो गया है, तब आंकड़े साफ तौर पर सामने नहीं आ रहे हैं। कदम-कदम पर सचेत रहते हुए ही हम सबको सुरक्षित रख सकते हैं। यह संक्रमण से बचाव के लिए यथोचित कड़ाई का समय है।

आज के कार्टून

बेकारी

श्री राम शर्मा आचार्य

कहावत है-'खाली दिमाग शैतान की दुकान।' यह उन सबके लिए है जो परिश्रम से जी चुराते हैं। पहले देश में राजा-रईस, अमीर-उमराव, जमींदार-साहुकार-महंत-मठाधीश बहुत थे। उनके पास आमदनी बहुत थी और नौकर-चाकरों के बलबूते पर उनका व्यापार चलता रहता था। काम का कोई उत्तरदायित्व सिर पर न होने से उनके पास समय बहुत बचता था। बचे समय का उपयोग आम तौर से खुराफात में होता था। बेकारी की समस्या इसीलिए खतरनाक नहीं मानी जाती कि उन दिनों आदमी कमाता नहीं वरन् मुख्यतया इसलिए उसे भयंकर मानते हैं कि बेकार आदमी को उत्पात ही सूझेंगे। बुराई का आज चारों ओर बाहुल्य है। बेकार आदमी सहज ही उस ओर आकर्षित होते हैं। कार्यव्यस्त व्यक्ति फुरसत न मिलने के कारण बुराइयों से बचा रहता है। बेकारी का कारण सदा काम का अभाव नहीं है। नौकरी के लिए दर-दर ठोकरें खाते फिरने वालों में से अधिकांश वे होते हैं, जो ऊंची आमदनी की, आरामतलब की, बिना मेहनत की नौकरी चाहते हैं, मेहनत-मजदूरी से जिन्हें अपनी और इज्जत घटती मालूम होती है। उनके लिए बाबूगीरी की नौकरियां मिलना मुश्किल हो सकती हैं, पर परिश्रम करने वाले के लिए काम की कमी नहीं है। ज्यादा पैसे का नहीं, बड़ा न सही, परंतु हर आदमी को हर जगह काम मिल सकता है और बहुत न सही, पर थोड़ा-सा तो वह कमा ही सकता है। थोड़ी भी कमाई न हो तो समय की बेकारी तो किसी काम में लगे रहने से बच ही जाती है। खुराफात में मन दौड़ाने का अवसर नहीं मिलता, यह भी क्या कुछ कम लाभ है? कहावत है कि 'कुछ न कुछ किया कर, कुछ न हो तो पाजामा उधेड़कर सिया कर।' बेकार बातों में वक्त गंवाने की से अच्छा है कि पाजामा उधेड़ने और सीने की कला का अभ्यास होता रहे और उस कार्य में हाथ सध जाए। कारीगरों की हर क्षेत्र में आवश्यकता है। देश में उद्योग-धंधे बढ़ रहे हैं। उनमें कुशल कारीगरों की कमी को देखते हुए अच्छी आजीविका मिलने की गुंजाइश रहती है, स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। बाबूगीरी की अपेक्षा लोग मेहनतकश बनने को तैयार हों, तो उनकी शान-शेखी में ही थोड़ी कमी हो सकती है, पर लाभ उन्हें भी होगा और सारे समाज को भी।

क्या भारत अब पाक रहित सार्क को खड़ा करे

आर.के. सिन्हा

हैरानी हो रही कि पाकिस्तान क्यों दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क) सम्मेलन के लिए लंबे समय से लंबित शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत को दावत दे रहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने हाल ही में यहाँ तक कहा कि यदि भारत बैठक में व्यक्तिगत रूप से भाग नहीं लेना चाहता है तो वह वर्चुअली भी भाग ले सकता है। पाकिस्तान को भारत को सार्क सम्मेलन में भाग लेने का आमंत्रण देने से पहले यह तो याद कर ही लेना चाहिए था कि उसने 2016 में भारत के तत्कालीन केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह का कितना ठंडा स्वागत किया था। राजनाथ सिंह जब पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सार्क देशों के गृहमंत्रियों की कॉन्फ्रेंस में भाग लेने गए तो वहां उनका बेहद खराब ढंग से स्वागत हुआ। इतना खराब कि गोया पाकिस्तान को मेजबान धर्म का निर्वाह करने की तमीज ही न हो। पाकिस्तान ने एक के बाद एक इस तरह की हरकतें की, जिससे साबित कर चुका है कि उसे पड़ोसी धर्म का निर्वाह करना नहीं आता। पाकिस्तान की इन्ही करतूतों ने सार्क आंदोलन को ही पूरी तरह ही तबाह कर दिया है। अब अचानक से उसे सार्क सम्मेलन आयोजित करने का ख्याल आ गया है। पाकिस्तान जरा बताए तो सही कि उसने अभी तक मुंबई हमलों के गुनाहगारों को सजा क्यों नहीं दी? उन गुनाहगारों पर चल रहा केस ठंडे बस्ते में क्यों पड़ा है। भारत उससे बार-बार कहता रहा है कि मुंबई हमलों को अंजाम देने की रणनीति बनाने वाले आतंकी हाफिज सईद को तत्काल जेल में डाला जाए। पर पाकिस्तान ने भारत की एक नहीं सुनी। दरअसल पाकिस्तान आतंकवाद से लड़ने को कभी तैयार ही नहीं हुआ। उसकी कभी ऐसी नीयत ही नहीं रही। दक्षिण एशियाई देशों में आतंकवाद के खात्मे के लिए उसने कभी रुचि नहीं दिखाई। वह तो कश्मीर से लेकर हमारे पंजाब में भारत विरोधी शक्तियों को खाद-पानी देने से भी कभी बाज नहीं आ रहा है। यह बात बहुत पुरानी नहीं है जब 19वां सार्क शिखर सम्मेलन नवंबर 2016 में इस्लामाबाद में होना था। लेकिन उस साल पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा उरी आतंकी हमले को अंजाम दिया गया था जिसमें 17 भारतीय जवान शहीद हो गए थे। इस हमले के बाद भारत ने सार्क शिखर सम्मेलन में भाग लेने से इनकार कर दिया था। भारत का स्टैंड बिल्कुल सही था। उस देश से बात ही क्या करना जो आतंकवाद की फैक्ट्री बन चुका है। राजनाथ सिंह को करीब से जानने वाले जानते हैं कि वे सच कहने से कभी पीछे नहीं हटते। उन्होंने इस्लामाबाद में कश्मीर में मारे गए हिज्बुल आतंकी बुरहान वानी की ओर इशारा करते हुए कहा था कि आतंकवाद का महिमामंडन बंद होना चाहिए और आतंकियों को शहीद का दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए। आतंकवाद अच्छा या बुरा नहीं होता है। राजनाथ सिंह का इशारा पाकिस्तान की तरफ ही था। राजनाथ सिंह के इस सीधे वार से पाकिस्तान जल-भुन गया था। लेकिन, आप राजनाथ सिंह को सच बोलने से नहीं रोक सकते। अब शाह महमूद कुरैशी कह रहे हैं कि सार्क एक 'महत्वपूर्ण मंच' है। भारत ने इस बात से इनकार कब किया है। लेकिन, पाकिस्तान ने सार्क को महत्वपूर्ण ही कब बनने दिया। क्या यह भी कुरैशी साहब बताएंगे? सार्क की स्थापना 8 दिसंबर, 1985 को भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान ने मिलकर की थी। इसके बाद अप्रैल 2007 में इसमें अफगानिस्तान को भी आठवें सदस्य के रूप में जगह मिली। लेकिन, देखने में यह आता है कि सार्क अपने लक्ष्यों की तरफ कभी बढ़ ही नहीं सका। इससे सदस्य देशों में किसी भी तरह का आर्थिक सहयोग भी नहीं हुआ। अगर पाकिस्तान को छोड़ दिया जाए तो सार्क के सब देश मिल-जुलकर काम करना चाहते हैं। पाकिस्तान एक तरफ सार्क सम्मेलन में भारत को बुला रहा है और दूसरी तरफ वह ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक नेशंस से भारत के खिलाफ प्रस्ताव पारित करवाने की कवायद करने से भी कभी बाज नहीं आता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में अपने शपथ ग्रहण समारोह में सार्क राष्ट्रों के नेताओं को आमंत्रित करके इस मृत होते जा रहे संगठन को फिर से जिंदा करने की तगड़ी पहल की थी। तब लगा था कि सार्क एक सशक्त मंच के रूप में उभर जाएगा और दक्षिण एशिया में विकास और सहयोग के नए दौर की शुरुआत होगी। लेकिन, भारत की उम्मीदों पर पाकिस्तान खरा नहीं उतरा। वहां इमरान खान के प्रधानमंत्री बनने के बाद तो भारत विरोध और भी तेज और मुखर होता चला गया। भारत ने वैश्विक महामारी कोरोना से लड़ने में भी सार्क देशों को हरसंभव सहयोग का वादा किया था। कोरोना को हराने के लिए भारत जिस तरह से लड़ा, उसे सार्क देशों समेत सारी दुनिया ने भी देखा। एक बात तो भारत की कूटनीति पर काम करने वाले विद्वानों और कूटनीतिज्ञों को भी अच्छी तरह समझ में आ ही गई होगी कि सार्क का कोई भविष्य नहीं रहा है। सार्क अपनी उपयोगिता को ही पूरी तरह से खो चुका है। अब यह संगठन सिर्फ कागजों पर ही रह गया है। तो भारत के सामने क्या विकल्प हैं? अब भारत का रास्ता साफ है। अब भारत को सार्क में शामिल पाकिस्तान के अतिरिक्त सभी देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूती देनी होगी। उस दिशा में भारत लगातार प्रयासरत है भी। भारत के इन सभी देशों से ठोस और मधुर संबंध हैं। एक विकल्प सार्क देशों के सामने और भी है। सार्क सम्मेलन से पाकिस्तान को बाहर निकाल कर इसे नए सिरे से खड़ा कर सकते हैं। वे देख ही चुके हैं कि पाकिस्तान ने सार्क को किस हद तक हानि पहुंचाई है। पाकिस्तान की भारत और बांग्लादेश से अदावत की पृष्ठभूमि से सब वाकिफ हैं। जहां पाकिस्तान खुद भारत का 1947 से पहले अंग था, वहीं बांग्लादेश 1972 से पहले पाकिस्तान का ही हिस्सा था। आज पाकिस्तान की विदेश नीति का अहम अंग है- भारत-बांग्लादेश का लगातार विरोध। तो बताइये कि भारत या सार्क एक इस तरह के धूर्त देश के साथ कोई कैसे सहयोगपूर्ण संबंधों की उम्मीद कर सकता है। यह असंभव है। इसलिए अब कम से कम भारत को सार्क से आगे की स्थितियों के बारे में गंभीरतापूर्वक सोचना होगा। (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

नई चुनौतियों संग पुराने मामलों का दबाव

अनूप भटनागर

वर्ष 2022 के दौरान न्यायपालिका के समक्ष आने वाली नई चुनौतियों के अलावा फिलहाल इस साल देश की शीर्ष अदालत के पास पहले से ही लंबित मामलों की लंबी सूची है। इसमें लंबित राजद्रोह के अपराध से संबंधित भारतीय दंड संहिता के प्रावधान की संवैधानिकता, जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने संबंधी अनुच्छेद 370 खत्म करने, नागरिकता संशोधन कानून की संवैधानिकता, राज्यों में स्थानीय निकाय के चुनावों में ओबीसी आरक्षण, विभिन्न धर्मों में महिलाओं के अधिकारों से संबंधित विवाद आदि पर सुविचारित व्यवस्था की अपेक्षा है। इस दौरान देश को वर्तमान प्रधान न्यायाधीश सहित तीन प्रधान न्यायाधीशों की कार्यशैली से रू-ब-रू होने का अवसर मिलेगा। इस दौरान न्यायालय को बहुचर्चित स्पाईवेयर पेगासस का कथित रूप से इस्तेमाल कर भारतीय नागरिकों की जासूसी मामले पर भी अपनी व्यवस्था देनी है। इस प्रकरण में न्यायालय ने विशेषज्ञों का एक दल गठित किया था जिसे सारे तथ्यों का अध्ययन करके अपनी रिपोर्ट देनी थी। इसी तरह, न्यायालय 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित कतिपय मामलों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल द्वारा राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री और कुछ अन्य लोगों को क्लीन चिट देने के खिलाफ जाकिया जाफरी की याचिका पर अपनी व्यवस्था देगा। इन दंगों के दौरान गुलबर्ग सोसायटी में हुई हिंसा में जाकिया के पति और कांग्रेस के पूर्व सांसद एहसान जाफरी भी मारे गए थे। इसके अलावा, कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों और इससे निपटने के सरकारों के उपायों, गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून की संवैधानिकता, सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग सहित कई अन्य महत्वपूर्ण मामलों में न्यायालय की सुविचारित व्यवस्था की अपेक्षा है। शीर्ष अदालत में करीब 69,855 मामले लंबित हैं। इनमें संविधान पीठ के विचारार्थ 422 मामले भी शामिल हैं। यह कहना मुश्किल है कि संविधान पीठ के विचारार्थ मामलों में कब सुनवाई होगी क्योंकि पांच, सात और नौ सदस्यीय संविधान पीठ का गठन बहुत आसान नहीं होता है। पांच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन तो फिर भी हो जाता है लेकिन सात और नौ सदस्यीय पीठ का गठन करते समय पहले से लंबित अन्य मामलों की स्थिति और न्यायाधीशों की उपलब्धता को भी ध्यान में रखा जाता है। इस समय, संविधान पीठ के विचारार्थ मामलों में 135 मामले नौ सदस्यीय संविधान पीठ की व्यवस्था के इंतजार में हैं। इन मामलों में पांच तो मूल मामले हैं और 130 इससे संबद्ध मसले हैं। इसी तरह, सात सदस्यीय संविधान पीठ के विचारार्थ 15 मामले हैं, जिनमे सात मामले मूल हैं और आठ इनसे संबद्ध हैं । पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भी 272 मामले विचारार्थ हैं। इनमें 38 मूल मामले हैं और 234 इनसे संबद्ध हैं। देश को वर्ष 2022 में तीन प्रधान न्यायाधीश देखने को मिलेंगे। वर्तमान प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण 26 अगस्त तक न्यायपालिका के मुखिया रहेंगे। इसके बाद न्यायमूर्ति उदय यू. ललित प्रधान न्यायाधीश बनेंगे जो आठ नवंबर तक इस पद को सुशोभित करेंगे। न्यायमूर्ति ललित के सेवानिवृत्त होने पर आठ नवंबर को न्यायमूर्ति डॉ. धनंजय वाई. चंद्रचूड़ देश के प्रधान न्यायाधीश बनेंगे और 10 नवंबर, 2024 तक इस पद पर रहेंगे। बहुत लंबे समय बाद देश को दो साल की अवधि के लिए प्रधान न्यायाधीश मिलेगा। न्यायमूर्ति डॉ. धनंजय वाई. चंद्रचूड़ के पिता न्यायमूर्ति वाईएस चंद्रचूड़ भी देश के प्रधान न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हुए थे। न्यायमूर्ति वाईएस चंद्रचूड़ संभवत- सबसे लंबी अवधि तक देश के प्रधान न्यायाधीश रहे। वह 22 फरवरी, 1978 को देश के प्रधान न्यायाधीश नियुक्त हुए थे और सात साल से भी ज्यादा समय तक इस पद पर रहे। वह 11 जुलाई, 1985 को प्रधान न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हुए थे। नयी सदी में, इससे पहले, न्यायमूर्ति केजी बालाकृष्णन और न्यायमूर्ति एसएच कपाड़िया ही ऐसे प्रधान न्यायाधीश हुए, जिनका कार्यकाल दो साल या इससे अधिक था। इस वर्ष उच्चतम न्यायालय के आठ न्यायाधीश सेवानिवृत्त होंगे। इनमें प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति उदय यू. ललित, न्यायमूर्ति एएम खानविलकर, न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति इन्दिरा बनर्जी, न्यायमूर्ति विनीत सरन, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी शामिल हैं। सेवानिवृत्त होने वाले न्यायाधीशों में सबसे पहले न्यायमूर्ति सुभाष रेड्डी हैं जो चार जनवरी को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसके बाद, न्यायमूर्ति विनीत सरन 10 मई, न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव सात जून, न्यायमूर्ति खानविलकर 29 जुलाई, प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमण 26 अगस्त, न्यायमूर्ति इन्दिरा बनर्जी 23 सितंबर, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता 16 अक्तूबर और न्यायमूर्ति ललित आठ नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि 2022 में उच्चतम न्यायालय ही नहीं बल्कि उच्च न्यायालय और अधीनस्थ अदालतें भी पांच करोड़ से ज्यादा लंबित मुकदमों का तेजी से निस्तारण करने का प्रयास करेंगी। उच्च न्यायालयों में 56,50,485 और अधीनस्थ अदालतों में 4,04,589753 मुकदमें लंबित हैं।

सू-दोकू नवताल -2013

			5	1				9
7		5			8	6		
9	8		4			7		
	7					9	3	4
3				9				6
6	4	9					7	
		6			5		2	7
		2	1			5		8
1				8	6			

सू-दोकू 2012 का हल

2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. 'चोरी चोरी छोरा छोरी' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-3
6. अनिल, माधुरी की 'कह दो कि तुम' गीत वाली फिल्म-3
8. 'मेरा कंगना झांझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-2
9. फिल्म 'काजल' के संगीत निर्देशक-2
11. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-3
13. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'मेरे दिल में आज क्या है' गीत वाली फिल्म-2
14. राहुल राय, दीपक तिजोरी, पूजाभट्ट की फिल्म-3
16. सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
17. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली फिल्म-4
19. अमिताभ बच्चन, अमृता सिंह की 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली फिल्म-2
20. राजेश खन्ना, शबाना, विद्या सिन्हा अभिनीत फिल्म-2
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
23. फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र का नाम-2
24. विकास भल्ला, सुमित सहगल, नीलम की 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली फिल्म-2
26. गुरुदत्त,शकीला,श्यामा की फिल्म-2,2
28. 'रुकी-रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
29. 'तेरी आंखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है' गीत वाली सुनील दत्त, आशा पारेख की फिल्म-3
30. शाहरुख खान, विवेक मुशरान, जूही चावला की 'चोरी चोरी ओ गोरी' गीत वाली फिल्म-4
31. आमिर खान की फिल्म 'रंग दे बसंती' के संगीत निर्देशक कौन-4

फिल्म वर्ग पहेली- 2013

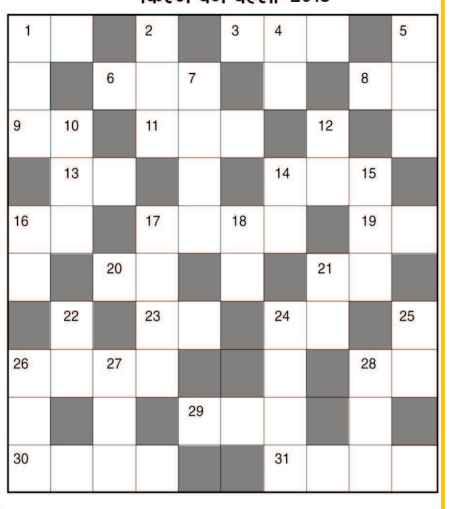

फिल्म वर्ग पहेली- 2012

ऊपर से नीचे:-

1. 'भीगे होंठ तेरे' गीत वाली फिल्म-3
2. 'देख लो आज उनको' गीत वाली फारुख शेख, नसीरुद्दीन, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
4. जया भादुड़ी की पहली फिल्म-2
5. फिल्म 'एक फूल दो माली' में संजय खान के साथ नायिका-3
7. संजीव कुमार, तनूजा की 'आया रे खिलौने वाला' गीत वाली फिल्म-4
10. 'मेरा ससुरा बड़ा पैसे वाला' गीत वाली जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की फिल्म-3
12. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
14. 'मेरे सीनेमें तेरा दिल धड़के' गीतवाली फिल्म-2
15. 'छुपा लो यूं दिल में प्यार मेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
16. गोविंदा, जूही चावला की 'चांदी की साईकल सोने की सीट' गीत वाली फिल्म-2
17. 'सात अजूबे इस दुनिया में' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा, जीनत अमान की फिल्म-4
18. फिल्म 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का नाम क्या था ?-2
21. अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की 'पर्दे में कोई बैठा है ' गीत वाली फिल्म-2
22. 'मैं नए जमाने की लैला' गीत वाली अजय देवगन, रवीना टंडन की फिल्म-2
24. 'इमली का बूटा इमली का पेड़' गीत वाली फिल्म-4
25. 'आते हैं लोग जाते हैं लोग' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2
26. राज कपूर, नर्गिस की 'आ जाओ तड़पते हैं अरमां' गीत वाली फिल्म-3
27. 'यूं ही कोई मिल गया था' गीत वाली राजकुमार, मौना कुमारी की फिल्म-3
28. फिल्म 'ये तेरा घर ये मेरा घर' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-3

ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

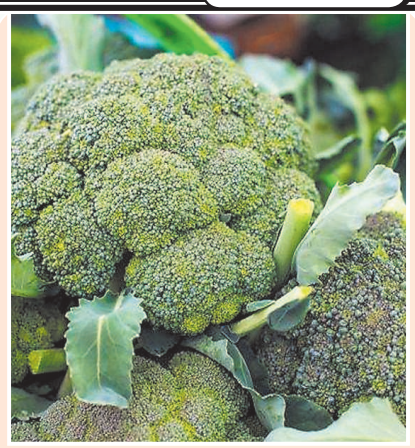

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भंति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
वेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / कम्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राइकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुन : रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / कम्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेक्टीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.-1 :-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1 :

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।
भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।
नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।
कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।
नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।
पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।
बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पु: 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिलके के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ़ु और ढ़ुढ़ु, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम, भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतु में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्ढे तैयार कर लेना चाहिए। गड्ढों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गड्ढे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए, जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद, 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है। पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है, तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोगों तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक, तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

बिटकॉइन निवेशकों को 13 लाख का नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया की प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने पिछले साल अपने निवेशकों को 69 फीसदी रिटर्न दिया था और इस साल भी इसमें तेजी की उम्मीद है लेकिन अभी तो ऐसा नहीं लग रहा है। हाल के दिनों में इसकी कीमत में काफी गिरावट आई है। गिरते-गिरते शुक्रवार को इसकी कीमत 41,500 हजार डॉलर के करीब पहुंच गई जबकि नवंबर में यह 69 हजार डॉलर के ऊपर पहुंच गई थी। क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स के मुताबिक बिटकॉइन शुक्रवार को दोपहर बाद 3.39 फीसदी गिरावट के साथ 41,609 डॉलर यानी 33,44,227 रुपए रह गई। नवंबर की शुरुआत में इसकी कीमत 69,000 डॉलर के पार पहुंच गई थी। इस तरह इसकी कीमत में करीब 17 हजार डॉलर यानी करीब 13 लाख रुपए की कमी आई है। जानकारों के मुताबिक इस साल इसकी कीमत 34 फीसदी ऊपर जा सकती है। दूसरी ओर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो ईथर की कीमत में भी नौ फीसदी से अधिक गिरावट आई है। इसकी कीमत 9.26 फीसदी गिरावट के साथ 3131 डॉलर यानी करीब 251586 रुपए रह गई है। डॉगकॉइन की कीमत में 5.14 फीसदी और शीबा इनू की कीमत में 4.12 फीसदी गिरावट आई है।

इंडियामार्ट ने इजीईकॉम में 26.01 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली ।

कंपनियों के बीच बिजनेस-टू-बिजनेस कारोबार का ई-ऑनलाइन मंच इंडियामार्ट ने अपनी अनुषंगी कंपनी ट्रेडजीत ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड के जरिए इजी ईकॉम में 13.3 करोड़ रुपए निवेश कर 26.01 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। एडजवाइज टेक्नोलॉजीज दरअसल ईजी ईकॉम ब्रांड नाम के तहत व्यापारियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित माल भंडार प्रबंधन और गोदाम प्रबंधन समाधान प्रदान करती है। इंडियामार्ट ने एक बयान में कहा कि यह लेनदेन भारतीय व्यापारियों के लिए वाणिज्य को आसान बनाने के लिए इंडियामार्ट के चल रहे प्रयासों का एक हिस्सा है। देश के व्यापारी तेजी से विभिन्न ऑनलाइन बिक्री मंचो को अपनाने के महत्व को समझने लगे हैं।

विग्जो टेक में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी शिपरॉकेट

मुंबई । ई-कॉमर्स क्षेत्र की शिपिंग फर्म शिपरॉकेट ने कहा कि उसने ग्राहक डेटा मंच (सीडीपी) विग्जो टेक में 75 हिस्सेदारी खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। शिपरॉकेट ने कहा कि इस प्रस्तावित रणनीतिक अधिग्रहण से कंपनी को अपने मंच पर ऑनलाइन खुदरा व्यापारियों के लिए उपलब्ध उत्पादों का विस्तार करने में मदद मिलेगी। शिपरॉकेट के अनुसार दोनों ब्रांड ई-कॉमर्स विक्रेताओं के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान कर उपभोक्ताओं को अच्छा अनुभव प्रदान करने के लिए एक दूसरे के पूरक बनेंगे। विग्जो टेक विशेष रूप से ई-कॉमर्स और डी2सी (सीधे उपभोक्ता तक) कंपनियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करती है।

मेक्रोटेक डेवलपर्स के शेयर में तीन फीसदी बढ़त

नई दिल्ली । रियल्टी क्षेत्र की कंपनी मेक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को तीन फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। यह वृद्धि दिसंबर की तिमाही में कंपनी के बिक्री आंकड़ों में 40 फीसदी के इजाफे के कारण हुई। बीएसई पर कंपनी का शेयर 3.23 फीसदी वृद्धि के साथ 1,240 रुपए पर पहुंच गया और एनएसई पर 3.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,238.30 रुपए पर पहुंच गया। मेक्रोटेक डेवलपर्स ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि घरों की अधिक मांग के चलते दिसंबर में समाप्त तिमाही में बिक्री 40 फीसदी बढ़ गई। उसने कहा कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बिक्री का आंकड़ा 2,608 करोड़ रुपए रहा जो एक वर्ष पहले इस अवधि में 1,862 करोड़ रुपए था।

खाद्य महंगाई से दुनिया पीड़ित, 2021 में 28 फीसदी बढ़े दाम

नई दिल्ली (एजेंसी):

दुनिया भर में खाने-पीने की वस्तुओं के दामों में लगातार 4 महीने तक बढ़ौतरी के बाद दिसम्बर में थोड़ी गिरावट आई। हालांकि अगर 2021 के पूरे साल को देखें तो इस दौरान खाने-पीने की कीमतें करीब 28 फीसदी बढ़ीं, जो साल 2011 के बाद से अब तक का सबसे अधिक औसत लेवल है। संयुक्त राष्ट्र की फूड एजेंसी ने गुरुवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (एफ.ए.ओ.) का फूड प्राइस इंडैक्स दुनिया भर में सबसे अधिक कारोबार वाली खाद्य वस्तुओं की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर नजर रखता है। दिसम्बर में यह इंडैक्स औसतन 133.7 अंक रहा, जो नवम्बर महीने के अंत में 134.9 अंक था। वहीं साल 2021 के सभी महीनों को मिलाकर देखने पर बैंचमार्क इंडैक्स का औसत 125.7 अंक रहा, जो पिछले साल के औसत अंक से 28.1 पर्सैंट अधिक है। वहीं साल 2011 के औसत 131.9 के बाद यह अब तक का सबसे उच्चतम औसत आंकड़ा है। मंथली इंडैक्स के 10 साल के उच्चतम स्तर पर होना बताता है कि कई फसलों को नुक्सान पहुंचा है और इनकी मांग पिछले साल के मुकाबले अधिक मजबूत है।

कमतों में सबसे अधिक गिरावट वैजिटेबल ऑयल और शूगर में देखने को मिली

हालांकि दिसम्बर महीने में डेयरी प्रोडक्ट अपवाद के तौर पर शामिल है, जिनके दाम में बढ़ौतरी देखी गई। बाकी इन्हें छोड़कर सभी कैटागरी की कीमतों में दिसम्बर में नरमी देखने को मिली। एजैंसी ने बताया कि कीमतों में सबसे अधिक गिरावट वैजिटेबल ऑयल और शूगर में देखने को मिली। एजैंसी ने बताया कि हालांकि साल 2021 में सभी कैटागरी के उत्पादों की कीमतों में तेज बढ़ौतरी देखी गई। एजैंसी ने बताया कि खाने-पीने की वस्तुओं की दाम बढ़ने से ग्लोबल स्तर पर महंगाई बढ़ी है। साथ ही एजैंसी ने यह भी चेताया कि इससे उन देशों की गरीब आबादी पर काफी असर पड़ता है, जहां अधिकतर फूड प्रोडक्ट बाहर से आयात किए जाते हैं।

स्टार्टअप्स ने देश में अभी तक 6.5 लाख नौकरियां दी

मुंबई (एजेंसी)।

केंद्र सरकार की ओर से साल 2016 में शुरू की गई पहल रंग ला रही है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बीते पांच सालों के भीतर भारतीय स्टार्टअप्स ने करीब 6.5 लाख लोगों को रोजगार देने का काम किया है। जानकारी के मुताबिक 2016 में केंद्र सरकार ने भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बनाने के लक्ष्य के साथ एक महत्वकांक्षी डिजिटल पहल शुरू की थी। डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) ने कहा कि भारत सरकार के पास रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स ने देश में अभी तक 6.5 लाख लोगों को नौकरियां दी हैं। इस डिजिटल पहल को शुरू किए जाने के बाद से डीपीआईआईटी अब तक 60,000 अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दे चुका है। खास बात यह है कि अब तक कुल रजिस्टर्ड स्टार्टअप में से 45 फीसदी टियर 2 और टियर 3 शहरों से हैं। इसके साथ ही इन स्टार्टअप्स में 45 फीसदी स्टार्टअप की कमान महिलाओं के हाथों में हैं। बताया जा रहा है कि देश के कुल 736 जिलों में से कम से कम 630 जिलों में कोई न कोई स्टार्टअप रजिस्टर है।

ओमिक्रॉन से भारतीय अर्थव्यवस्था खतरे में

नई दिल्ली । देश में लगातार कोविड-19 के ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले सामने आ रहे हैं। यही कारण है कि घरेलू रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स ने जीडीपी ग्रोथ अनुमान को संशोधित करते हुए घटा दिया है। एजेंसी का कहना है कि कोरोना तीसरी लहर से चौथी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 0.4 फीसदी घटकर 5.7 फीसदी रह सकती है। भारत समेत दुनियाभर में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बीच चालू वित्त वर्ष में भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ के अनुमान को घरेलू रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने कम कर दिया है। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि ओमिक्रॉन के संक्रमण की रफ्तार को देखते हुए एहतियात के तौर पर कई राज्यों ने पाबंदी लगानी शुरू कर दी है। इससे आर्थिक और कारोबारी गतिविधियों पर असर पड़ेगा, जिससे चालू वित्त वर्ष के लिए विकास दर 0.10 फीसदी तक घटकर 9.3 फीसदी रह सकती है। एजेंसी ने जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को घटाते हुए अपनी रिपोर्ट में कहा कि बीते 15 दिनों में नए मामलों की संख्या में तेजी आई है। ऐसे में संक्रमण की तेज रफ्तार के चलते चौथी तिमाही में देश की विकास दर 5.7 फीसदी पर आ सकती है।

बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 143 अंक चढ़ा, साप्ताहिक आधार पर बढ़त में

नई दिल्ली (एजेंसी):

वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और आईसीआईसीआई बैंक जैसे बड़े शेयरों में तेजी के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक-बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 143 अंक चढ़कर बंद हुआ। इस दौरान 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 142.81 अंक यानी 0.24 प्रतिशत बढ़कर 59,744.65 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 66.80 अंक यानी 0.38 फीसदी बढ़कर 17,812.70 पर बंद हुआ। निवेशकों ने ऊर्जा, बुनियादी ढांचा और आईटी शेयरों में निवेश किया। सेंसेक्स में सबसे अधिक 1.79 प्रतिशत की बढ़त एशियन पेंट्स में हुई। इसके अलावा टीसीएस, नेस्ले इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज बढ़त दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर गिरावट वाले शेयरों में बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी, टाइटन और भारती एयरटेल शामिल हैं। इनमें 1.39 प्रतिशत तक की गिरावट आई। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू सूचकांकों ने कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण शुरुआती बढ़त को कुछ हद तक खो दिया, क्योंकि दुनिया भर में बाजारों को अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों और यूरो क्षेत्र के महंगाई के आंकड़ों का इंतजार था। हालांकि, स्वास्थ्य देखभाल और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं से संबंधित शेयरों की मजबूत मांग ने गिरावट की भरपाई की।'' उन्होंने आगे कहा कि ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख से बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है लेकिन कंपनियों की आय बेहतर होने की उम्मीद तथा एफआईआई द्वारा शुद्ध खरीदारी के रुख से बाजार में उम्मीद बनी हुई है। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स ने 1,490.83 अंक या 2.55 फीसदी की बढ़त दर्ज की, जबकि निफ्टी 458.65 अंक या 2.64 फीसदी चढ़ा। रेलिगेयर ब्रोकिंग के शोध उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा कि हालिया उछाल के बाद बाजार के मजबूत होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''मिलेजुले वैश्विक संकेतों और कोविड से संबंधित घटनाक्रम के चलते अस्थिरता बने रहने की आशंका अधिक है। इसके अलावा आगामी वृहत आर्थिक आंकड़ें (आईआईपी, सीपीआई और डब्ल्यूपीआई) और कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। हम एक सकारात्मक लेकिन सतर्क दृष्टिकोण की सिफारिश करते हैं।''

नए साल में कई प्रोडक्ट लॉन्च कर सकता है एप्पल

इनमें आईफोन और आईपॉड के अलावा वीआर हेडसेट शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ऐपल इस साल आईफोन और आईपॉड के अलावा अपना वीआर हेडसेट को भी मार्केट में उतार सकता है। आपको बताते है कि 2022 में कंपनी किन प्रोडक्ट्स को लॉन्च कर सकती है। एक लंबी अफवाहों के बाद आखिरकार कंपनी के एयरटैग्स सामने आए। देखने में वो बिलकुल टाइल्स की तरह है, और इसे पहले ही ऐसा ही होने की उम्मीद भी थी। इसके अलावा ऐपल टीवी में भी हार्डवेयर को अपडेट किया गया। लेकिन ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन की मानें तो ये टीवी मार्केट में कम्पेटीट नहीं कर सकती।वजह इसमें इस्तेमाल किया जाने वाला पुराना प्रोसेस्सर है। इसे भी कंपनी के लिए कोई सफलता नहीं माना जा सकता। लेकिन आईमेक और आईपेड और मैकबुक के परफॉरमेंस में काफी सुधर आया और इसके लिए कंपनी के द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला सिलिकॉन चीप को सारा श्रेय जाता है। इनके डिज़ाइन में भी बदलाव आया भले ही वो पुराने मैकबुक के थ्रोबैक डिज़ाइन रहे हो। इसके अलावा पिछले साल कंपनी के लिए कोई ऐसा कुछ नहीं रहा जिसे उस साल को यादगार के तौर पर माना जा सके। कंपनी ने अपने आईफोन में भी बदलाव किए लेकिन वो कमतर ही साबित हुए। आईफोन 13 का नॉच थोड़ा संकरा और हार्डवेयर के मामले में भी कुछ ज्यादा बदलाव नहीं किया गया। आईफोन में दिया गया सिनेमेटिक मोड थोड़े अच्छे थे। लेकिन इसे भी हम कुछ सफल नहीं कह सकते। लेकिन 2022 के आखिर तक क्या कंपनी अपने आईफोन में कुछ क्रन्तिकारी बदलाव लेकर आईफोन 14 को मार्केट में लाएगी। क्या कंपनी से हम ऐसा उम्मीद कर सकते है। ऐपल साल की शुरुवात से ही अपने सफल प्रोडक्ट्स यानीआईफोन, आईपेड, एयरपॉडस, एप्पल वॉच और मेक में नए सीरीज़ को ला सकता है। कंपनी आईफोन के लिए दो अलग-अलग लॉन्च इवेंट कर सकती है। एक एनुअल और दूसराआईफोन से मॉडल के लिए जिसके लॉन्च होने की अफवाह काफी समय से है। इसके अलावा कंपनी एयरपॉडस को भी नए फीचर्स के साथ एक प्रो मॉडल भी लॉन्च कर सकती है। जबकि ऐपल वॉच के नेक्स्ट जेन में हेल्थ पर ज्यादा गहराई से फोकस और कुछ वाइटल ट्रैकिंग को जोड़ सकती है। मैक के सुधरते प्रदर्श ज्यादातर कंपनी के सिलिकॉन प्रोसेसर कंपनी सुधरने की कोशिश करेगी। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार रहा तो आईफोन 14 इस साल सितंबर में लॉन्च हो सकता है, या फिर ज्यादा से ज्यादा अक्टूबर में, कंपनी इस आईफोन में 3 एनएम ए-सीरीज़ चिपसेट का इस्तेमाल कर सकती है, और इससे ये सबसे तेज आईफोन हो सकता है। इसके अलावा आईफोन का नॉच को हटाया जा सकता है और कंपनी अपने डिस्प्ले डिज़ाइन के अलावा एक पंच होल भी दे सकती है। बता दें कि साल 2021 में कोरोना महामारी के चलते ऐपल ने पिछले साल अपने बहुत ही कम प्रोडक्ट्स को लॉन्च किया था। लॉन्च के मामले में कंपनी के लिए पिछले साल काफी खराब रहा है। ऐसा नहीं है कि कंपनी के पिछले साल कंपनी के लिए बहुत ही खराब था क्योंकि रेवेन्यू के मामले में पिछले साल कंपनी के लिए बेस्ट रहा है।

नई उड़ान से पहले जैट एयरवेज को मिला नया CEO, पी.पी. सिंह संभालेंगे कमान

बिजनेस डेस्क:

जैट एयरवेज को नई उड़ान से पहले नया सी.ई.ओ. मिल गया है। जैट एयरवेज के कार्यवाहक सी.ई.ओ. सुधीर गौड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 2022 की पहली तिमाही में जैट एयरवेज अपनी डोमैस्टिक फ्लाइट दोबारा शुरू करने वाली है। सुधीर गौर की जगह अब कैप्टन पी.पी. सिंह लेंगे। जेट एयरवेज का काम अप्रैल 2019 में बंद हो गया था। पिछले ही साल इस एयरलाइन के रिजॉल्यूशन का काम पूरा हुआ है, जिसके बाद इसकी रीलॉन्चिंग मुमकिन हो सकी है। करीब दो साल तक ऑपरेशन बंद रहने के बाद कंपनी ने 2022 में तीसरी या चौथी तिमाही से फिर से उड़ान भरने को तैयार है।

जैटलाइट के सबसे वरिष्ठ पायलट हैं कैप्टन पी.पी. सिंह

कैप्टन पी.पी. सिंह जैटलाइट के सबसे वरिष्ठ पायलट में से एक हैं। जैटलाइट पहले एयर सहारा हुआ करती थी, जिसका जैट एयरवेज ने 2007 में अधिग्रहण कर लिया, जिसके बाद वह जैटलाइट बन गई। कैप्टन पी.पी. सिंह अब तक करीब 20,000 घंटों से भी अधिक की उड़ान भर चुके हैं। जब अप्रैल 2019 में जैट एयरवेज ने अपना कामकाज बंद किया तो कैप्टन सिंह ने नेपाल एयरलाइंस ज्वाइन कर ली। वहां पर वह चीफ पायलट बने और साथ ही उन्हें ट्रेनिंग और स्टैंडर्ड्स का प्रमुख भी बनाया गया। अब बताया जा रहा है कि जब जैट एयरवेज फिर से शुरू हो रही है तो उन्होंने नेपाल एयरलाइंस से इस्तीफा दे दिया है और नोटिस पीरियड खत्म होते ही वह जैट एयरवेज 2.0 में शामिल हो जाएंगे।

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के दूसरे चरण के लिए 12 हजार करोड़ स्वीकृत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हरित ऊर्जा गलियारे के दूसरे चरण के लिए 12,000 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की। इसका इस्तेमाल सात राज्यों में ग्रिड एकीकरण और करीब 20,000 मेगावॉट क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं से उत्पादित बिजली के पारेषण में किया जाएगा। इस योजना के तहत 10,750 सर्किट किलोमीटर की बिजली पारेषण लाइन बिछाने और बिजली उपकेंद्रों के करीब 27,500 मेगा वोल्ट-एम्पीयर अंतरण का लक्ष्य रखा गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंत्रिमंडल के इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि हरित ऊर्जा गलियारे के दूसरे चरण का क्रियान्वयन वर्ष 2021-22 से लेकर 2025-26 के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना में किए जाने वाले कुल निवेश का 33 फीसदी केंद्रीय मदद के रूप में है। ठाकुर ने कहा कि इस योजना के पहले चरण का करीब 80 फीसदी कार्य पूरा किया जा चुका है। पहले चरण के लिए 10,142 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे।

ओमीक्रोन की जांच के लिए टाटा की मेड इन इंडिया किट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमीक्रोन की जांच के लिए टाटा मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक्स ने एक टेस्टिंग किट तैयार की है जिसे सरकार से मंजूरी मिल गई है। कंपनी का कहना है कि यह किट 12 जनवरी से उपलब्ध हो जाएगी। यह किट ओमीक्रोन के कोरोना के दूसरे वैरिएंट्स का भी पता लगाने में सक्षम है। टाटा एमडी ने इस टेस्टिंग किट को ओमीस्योर नाम दिया है। हाल ही में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने इसे मंजूरी दे दी। कंपनी का कहना है कि यूनीक टेस्ट डिजाइन वाली यह किट सिंगल ट्यूब फुली मल्टीप्लेक्स्ड टेस्ट है। कंपनी ने इसे प्रॉविजनल पैटेंट के लिए आवेदन कर दिया है। यह किट ओमीक्रोन को डिटेक्ट करने में 99.25 फीसदी कारगर है। ओ मिस्योर अपनी तरह का पहला टेस्ट है जिसमें ओमीक्रोन की पहचान के लिए दो एस-जीन वायरल टारगेट्स का इस्तेमाल किया जाता है। फर्स्ट टारगेट एस-जीन ड्रॉपआउट यानी एस-जीन टारगेट फेल्योर पर आधारित है जबकि दूसरा टारगेट एस-जीन म्यूटेशन एम्प्लिफिकेशन पर आधारित है। कंपनी का कहना है कि उसने रोजाना 2 लाख ओमीस्योर टेस्ट के लिए उत्पादन क्षमता, सप्लाई चेन और कच्चे माल की इनवेंट्री बढ़ानी शुरू कर दी है। इस किट को बेंगलूरु के डॉक्टर वी रवि की अगुवाई वाली एक टीम ने तैयार किया है। अभी वह टाटा एमडी में आरएंडडी के हेड हैं।

रिलायंस की अगुआई में डंजो ने जुटाए 24 करोड़ डॉलर

बेंगलूरु (एजेंसी)।

गूगल समर्थित क्विक कॉमर्स कंपनी डंजो ने 24 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। यह रो शि रिलायंस रिटेल की अगुआई में जुटाई गई। इस दौर में मौजूदा निवेशकों लाइटबॉक्स, लाइटरॉक, 3 एल कैपिटल और अल्टीरिया कैपिटल ने भी हिस्सा लिया। 20 करोड़ डॉलर के निवेश के साथ रिलायंस रिटेल के पास 25.8 फीसदी हिस्सेदारी होगी।

जानकारी के मुतो बिक इस दौर की फंडिंग के बाद डंजो का मूल्यांकन 80 करोड़ डॉलर के पार निकल गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2021 में कंपनी का मूल्यांकन 30 करोड़ डॉलर था। रिलायंस ने कहा कि फंडिंग का मौजूदा दौर डंजो की क्षमता और खास यूजर एक्सपेरिएंस में कामयाबी पर मौजूदा व नए निवेशकों के भरोसे को फिर से स्थापित करता है।

इस पूंजी का इस्तेमाल देश के सबसे बड़े क्विक कॉमर्स बिजनेस के डंजो के विजन में होगा, जो आवश्यक सामान की तीव्र डिलिवरी में सक्षम बनाएगा, वहीं बी2बी कारोबार का भी विस्तार होगा। इस फंडिंग से डंजो को एमेजॉन, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट, स्विगी, जोमैटो, टाटा समर्थित बिगबास्केट और क्विक ग्रोसरी डिलिवरी प्लेटफॉर्म जेप्टो से प्रतिस्पर्धा में मदद मिलेगी। डंजो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि शुरू से ही हम बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करते रहे हैं और इस दौर की फंडिंग हमारे इस तरीके को वैधता प्रदान करता है। पिछले तीन साल में इस तरह का कारोबार खड़ा करने वाली टीम पर हमें गर्व है और लगातार समर्थन देने के लिए हम अपने निवेशकों के आभारी हैं।

उन्होंने कहा कि रिलायंस रिटेल के निवेश से हमें लंबी अवधि का साझेदार मिल गया, जिसके साथ हम अपनी रफ्तार तेज कर पाएंगे और भारतीयों की तरफ से रोजाना व साप्ताहिक जरूरतों की शॉपिंग का अंदाज बदल देंगे। डंजो ने पिछले तीन साल में जो रफ्तार पड़ी है उससे हम उत्साहित हैं और हमारा लक्ष्य देश में सबसे ज्यादा भरोसेमंद क्विक कॉमर्स प्रदाताओं में से एक बनने का है।

15 सदस्यों के संक्रमित पाये जाने के बाद एमसीए बंद

मुम्बई । कोरोना संक्रमण की चपेट में अब खेल संगठन भी आने लगे हैं। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के 15 सदस्यों को कोविड-19 की जांच में संक्रमित पाया गया है। इस कारण एमसीए ने अपना कार्यालय अगले तीन दिनों के लिए बंद कर दिया है। एमसीए के एक अधिकारी के अनुसार स्टाफ के सदस्य कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं जिसके बाद तीन दिनों के लिए कार्यालय बंद कर दिया है। मुम्बई में बढ़ते कोरोना संक्रमण का यह प्रभाव माना जा रहा है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार देश में संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए ही 2021-22 सत्र के लिए रणजी ट्रॉफी, कर्नल सी के नायडू ट्रॉफी और सीनियर महिला टी20 लीग को पहले ही स्थगित कर दिया गया था। इस महीने के अंत में रणजी ट्रॉफी और कर्नल सी के नायडू ट्रॉफी शुरू होने वाली थी। वहीं दूसरी और सीनियर महिला टी20 लीग फरवरी में शुरू होने वाली थी। बीसीसीआई की ओर से कहा गया है कि यह फैसला खिलाड़ियों , सदस्यों के साथ ही सभी लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को देखते हुए लिया है। साथ ही कहा कि हालात नियंत्रित होने के बाद घरेलू कार्यक्रम नये सिरे घोषित किया जाएगा।

जोकोविच के बाद ऑस्ट्रेलिया अन्य टेनिस खिलाड़ियों के वीजा की भी कर रहा जांच

मेलबोर्न (एजेंसी)।

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया में कोरोना प्रोटोकॉल के तहत रोके जाने से उठे बवाल के बीच ऑस्ट्रेलिया सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट के लिए बाहर से आए अन्य टेनिस खिलाड़ियों के वीजा और वैक्सीन स्टेटस की भी जांच कर रही है। ऑस्ट्रेलिया की गृह मंत्री करेन एंड्रयूज ने एक समाचार चैनल से कहा, 'हमें खुफिया सूचनाओं से संकेत मिला है कि कुछ और ऐसे विदेशी खिलाड़ी हैं जो ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाए हैं और हम इसकी जांच कर रहे हैं।' उन्होंने हालांकि ऐसे खिलाड़ियों की संख्या या उनकी पहचान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। सुश्री एंड्रयूज ने स्पष्ट किया कि स्टार टेनिस खिलाड़ी जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया में बंदी नहीं बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी समय वापस जाने के लिए स्वतंत्र हैं, यह उन निर्भर है कि वह कब लौटना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल (एबीएफ) उन्हें इसकी सुविधा प्रदान करेगा। गृह मंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश के नियम टेनिस खिलाड़ियों सहित सभी व्यक्तियों पर लागू होते हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश के नियम के मुताबिक विदेशों से आने वाले लोगों को या तो कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लगे होने चाहिए या उनके पास इस बात का स्वीकार्य प्रमाण होना चाहिए कि उन्हें चिकित्सा कारणों से वैक्सीन नहीं लगाई जा सकती है। ये नियम प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ियों सहित किसी के लिए भी नहीं झुकेंगे। उल्लेखनीय है कि जोकोविच को फिलहाल मेलबोर्न में अप्रवासियों के लिए बने डिटेंशन होटल में रखा गया है। उन्होंने उनके वीजा रद्द करने के ऑस्ट्रेलियाई सरकार के फैसले को कोर्ट में चुनौती दी है, जिसकी सुनवाई ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट शुरू होने से एक हफ्ते पहले सोमवार को होगी। ऐसे में टूर्नामेंट के शेड्यूल को लेकर अब और अनिश्चितता बन गई है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में जोकोविच के समर्थक भी उनके समर्थन में उतर आए हैं। गुरुवार की तरह शुक्रवार को भी उनके समर्थक उनके समर्थन में मेलबोर्न में उनके होटल के बाहर एकत्रित हुए और झंडे तथा बैनर लेकर प्रदर्शन किया। इस बीच सर्बिया के विदेश सचिव नेमान्जा स्टारोविक ने ऑस्ट्रेलिया से कहा है कि दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को किसी बेहतर होटल में ठहराया जाए। जोकोविच वीजा रद्द होने के बाद से ऑस्ट्रेलिया के सरकारी प्रवासी डिटेंशन होटल में रह रहे हैं।

एडीलेड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची बार्टी, नडाल भी अगले दौर में पहुंचे

मेलबर्न (एजेंसी) ।

शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी ऐश बार्टी ने सोफिया केनिन को हराकर एडीलेड ओपन अंतरराष्ट्रीय टेनिस चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। बार्टी ने केनन को 6-3, 6-4 से हराया। वहीं पुरुष एकल वर्ग में स्पेन के राफेल नडाल ने वॉकओवर के जरिये अगले दौर में जगह बनाई है। बार्टी का सामना अब अगले दौर में शनिवार को विक्टोरिया अजारेंका और इगा स्वियातेक के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता खिलाड़ी से होगा। वहीं महिला वर्ग में ही सातवीं वरीयता प्राप्त एलीना रेबाकिना ने शेल्बी रोजर्स को 3-6 6-3 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी। पुरुष एकल में नडाल के प्रतिद्वंद्वी नीदरलैंड के टालोन ग्रक्सपूर ने मैच से हटने का फैसला किया था, इस कारण नडाल बिना खेले ही अगले दौर में पहुंच गये हैं। नडाल ने इससे पहले रिकार्डासा बेराकिंस को सीधे सेटों में हराया था। अब शनिवार को नडाल का सामना गैर वरीयता प्राप्त एमिल रूसुवुओरी से होगा। एमिल ने एलेक्स मोलकान को 6-2 6-1 से हराया था। पुरूष वर्ग के ही अन्य मुकाबलों में मारिन सिलिच और शीर्ष वरीय गेल मोंफिल्स ने अपने क्वार्टरफाइनल मैच जीतकर सेमीफाइल में प्रवेश किया है। लिए। सिलिच ने लास्लो जेरे को 6-3 6-2 से जबकि मोंफिल्स ने टॉमी पॉल को 6-4, 6-1 से शिकस्त दी।

पारूपल्ली कश्यप पिंडली की मांसपेशियों में चोट के कारण छह हफ्ते तक बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

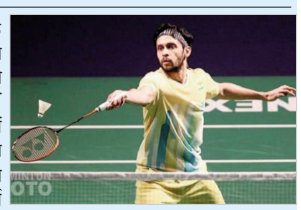

राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैम्पियन बैडमिंटन खिलाड़ी पारूपल्ली कश्यप को हाल में पिंडली की मांसपेशियों में लगी चोट के कारण छह हफ्ते तक खेल से बाहर रहना होगा। पूर्व नंबर छह खिलाड़ी कश्यप ने कहा कि उन्हें 'अपनी ट्रेनिंग का फिर से आकलन' करना होगा। उन्हें पिछले महीने (24 से 30 दिसंबर) हैदराबाद में अखिल भारतीय सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट में पिंडली की मांसपेशियों में ग्रेड 1 की चोट लगी थी। निराश कश्यप ने कहा कि मैं हैदराबाद ओपन में खेला था और मैं पहले दौर में ही चोटिल हो गया था, जब मैं अच्छा महसूस कर रहा था लेकिन ऐसा लगता है कि मैं मैच के लिए फिट नहीं था। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हुआ, शायद यह उम्र की वजह से। लेकिन अब मुझे लगता है कि मुझे अपनी ट्रेनिंग का आकलन करना होगा। इस चोट का मतलब है कि कश्यप (35) अब देश में होने वाले तीन टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पायेंगे जिसकी शुरूआत इंडिया ओपन सुपर 500 से होगी। उन्होंने कहा कि यह ग्रेड एक की चोट है इसलिए मैं 6 हफ्तों तक खेल से बाहर रहूंगा, 3 हफ्ते कोर्ट में वापसी में लगेंगे, 3 हफ्ते मैच फिटनेस हासिल करने में तो मैं मार्च में वापसी का लक्ष्य बना रहा हूं।

टी20 क्रिकेट मैचों में धीमी ओवर गति पर आईसीसी नाराज

दोषी टीम 30 गज के सर्कल के बाहर एक क्षेत्ररक्षक कम रख सकेगी

पारी के बीच में वैकल्पिक ड्रिंक्स ब्रेक को भी मिली मंजूरी

दुबई (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 क्रिकेट मैचों में धीमी ओवर गति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि अब निर्धारित समय के अंदर ओवर पूरा नहीं करने वाली टीम को 30 गज के सर्कल के बाहर एक क्षेत्ररक्षक कम रखना होगा। साथ ही कहा कि यह नियम इसी महीने से लागू किया जाएगा। आईसीसी ने संशोधित नियम और शर्तों के तहत ही टी20 क्रिकेट में पारी के बीच में वैकल्पिक ड्रिंक्स ब्रेक को भी शामिल किया है। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता की धारा 2.22 के तहत धीमी ओवरगति के लिए आईसीसी के प्रावधान पहले की तरह ही बने रहेंगे। इसमें नकारात्मक अंक और टीम तथा कप्तान पर आर्थिक जुर्माना पहले की तरह ही लगेगा। आईसीसी ने कहा, 'खेलने के नियम और शर्तों की धारा 13.8 में ओवर गति के नियम हैं जिसके तहत क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को आखिरी ओवर की पहली गेंद निर्धारित समय के अंदर डालनी होगी। वहीं ऐसा नहीं करने पर पारी के बाकी ओवर में 30 गज के सर्कल के बाहर एक क्षेत्ररक्षक कम रहेगा।'आम तौर पर पहले छह ओवर के बाद 30 गज के बाहर पांच क्षेत्ररक्षक रखे जा सकते हैं पर अगर टीम ओवरगति के नियम का पालन नहीं कर पायी तो वह चार क्षेत्ररक्षक ही रख पाएगी।वहीं गेंदबाज के छोर वाला अंपायर क्षेत्ररक्षण कर रही टीम, बल्लेबाज और दूसरे अंपायर को पारी की शुरूआत से पहले ही निर्धारित समय और कोई व्यवधान होने पर नए सिरे से निर्धारित समय की जानकारी देगा। आईसीसी की क्रिकेट समिति ने इस बदलाव की अनुशंसा की है जो सभी प्रारूपों में खेल की रफ्तार बनाए रखने के तरीकों की समीक्षा करती रहती है। इसके साथ ही पारी के बीच में ढाई मिनट के वैकल्पिक ड्रिंक्स ब्रेक का भी प्रावधान है पर इसके लिए श्रृंखला की शुरूआत से पहले सदस्यों के बीच आम सहमति बननी चाहिये। अब आने वाले सभी मैचों में ये नियम लागू होंगे।

संक्षिप्त समाचार

एएफसी एशियाई कप के लिए महिला मैच अधिकारियों का सबसे बड़ा दल घोषित

मुंबई (एजेंसी)।

देश में 20 जनवरी से छह फरवरी तक होने वाले आगामी एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए अनुभवी महिला मैच अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। इसमें 16 रेफरी और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के 15 सदस्य संघों के सहायक रेफरी शामिल हैं। ये अधिकारी टूर्नामेंट में प्ले-ऑफ सहित अधिकतम 29 मैचों में कार्यभार संभालेंगे। इस दल में शामिल नौ मैच अधिकारियों ने फ्रांस में 2019 में हुए फीफा महिला विश्व कप में भी अपनी सेवाएं दी थी। मैच अधिकारियों के इस दल में तीन भारतीय रंजीता देवी टेकचम (रेफरी), फर्नांडीस उवेना (सहायक रेफरी) और रेबेलो मारिया पिएडेड (तकनीकी प्रशिक्षक) भी शामिल हैं। इस टूर्नामेंट में पहली बार वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) का भी इस्तेमाल होगा। वीएआर का इस्तेमाल क्वार्टर फाइनल के साथ-साथ संभावित प्ले-ऑफ मैचों में होगा। टूर्नामेंट के लिए अतिरिक्त छह वीडियो मैच अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा, इस प्रणाली का उपयोग दो स्थानों नवी मुंबई और पुणे में किया जाएगा। एएफसी महिला एशियाई कप मुंबई, नवी मुंबई और पुणे में खेला जाएगा और इसके लिए तैयारियां जारी हैं।

जीत का सही तरीका नहीं जानता : एल्गर

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर ने यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खिलाफ मिली शानदार जीत के बाद कहा कि वह नहीं जानते की जीत दर्ज करने का सही तरीका क्या है। एल्गर के 96 रनों की जिम्मेदारी भरी पारी से ही दूसरे टेस्ट मैच में मेजबान टीम ने भारतीय टीम को 7 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-1 से बराबरी पर आ गयी है। भारतीय टीम से मिले जीत के 240 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए द.अफ्रीकी टीम ने शुरुआती तीन विकेट खो दिये थे पर एल्गर एक छोर पर जमे रहे और उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाने में सफलता हासिल की। एल्गर ने जीत के बाद कहा कि मुझे नहीं पता कि क्रिकेट मैच जीतने का सही या गलत तरीका क्या है पर यह मूल बातें सही करने के बारे में है। साथ ही कहा कि अब हम बड़े हुए मनोबल के साथ केपटाउन जाएंगे। यह हमारे लिए आसान काम नहीं था। इस जीत का श्रेय हमारे गेंदबाजों को भी जाता है कि उन्होंने जो प्रयास किया वह बहुत प्रभावशाली था। एल्गर ने आगे कहा कि मुझे अभी तक चोट के निशान नहीं दिख रहे हैं पर अपने देश के लिए जाने और खेलने के लिए यह एक बड़ी प्रेरणा है।

बेयरस्टॉ के शतक और स्टोक्स के अर्धशतक से संभला इंग्लैंड , 258/7

सिडनी (एजेंसी)।

जॉनी बेयरस्टॉ के नाबाद शतक (103) रन और ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के अर्धशतक (66) रनों की सहायता से मेहमान टीम इंग्लैंड ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 258 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय बेयरस्टॉ 103 और जैक लीच चार रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 416 रन बनाकर घोषित की थी। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर अब भी इंग्लैंड टीम 158 रनों से पीछे है। इस मैच में इंग्लैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने लंच तक ही अपने चार विकेट केवल 36 रन पर गंवा दिए थे पर इसके बाद बेयरस्टॉ और स्टोक्स ने 128 रनों की अच्छी साझेदारी कर पारी को संभाला। बल्लेबाजी के दौरान तेज गेंदबाज पैट कमिंस की गेंद अंगूठे पर लगने के बाद भी बेयरस्टॉ ने दर्द झेलते हुए एक छोर संभाले रखा। उन्होंने 138 गेंद में 12 चौकों और तीन छक्कों की सहायता से अपना सातवां शतक लगाया। स्टोक्स लियोन की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। स्टोक्स ने 91 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्का लगाकर 66 रन बनाये। वहीं जोस बटलर नाकाम रहे और कमिंस की गेंद पर उस्मान ख्वाजा ने कवर में उनका कैच लपका। बेयरस्टॉ ने इसके बाद मार्क वुड के साथ मिलकर 72 रन बनाये। वुड 39 रन बनाकर कमिंस का शिकार बने।

तीसरे टेस्ट में खेल सकते हैं विराट : द्रविड़

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि कप्तान विराट कोहली तेजी से ठीक हो रहे हैं और वह केपटाउन में मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 11 जनवरी से होने वाले तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। इससे पहले विराट पीठ में खिंचाव के कारण यहां खेले गये दूसरे टेस्ट मैच से बाहर रहे थे। द्रविड़ ने कहा कि कोहली हाल के दिनों में काफी अच्छे दिख रहे हैं पर उन्हें सभी प्रकार से ठीक होना चाहिए। उसे थोड़ा इधर-उधर दौड़ने का अवसर मिला है, उसे थोड़ा सा परीक्षण करने का अवसर मिला है। उम्मीद है कि केप टाउन में कुछ नेट सत्र के साथ, वह तीसरे टेस्ट में खेलने के लिए ठीक होगा। मैं जो कुछ भी सुन रहा हूं और उसके साथ बातचीत कर रहा हूं, उसे चार दिनों में ठीक हो जाना चाहिए। वहीं इसे पहले लोकेश राहुल ने भी कहा था कि विराट अब तेजी से फिट हो रहे हैं और उनके तीसरे टेस्ट में उतरने की पूरी उम्मीदें नजर आ रही है। राहुल ने विराट के बाहर होने के कारण दूसरे टेस्ट में टीम की कप्तानी की थी हालांकि भारतीय टीम को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा था। अभी यह सीरीज 1-1 से बराबरी पर है, ऐसे में तीसरा टेस्ट बेहद अहम माना जा रहा है।

गार्डियोला, टचेल, मंचिनी फीफा सर्वश्रेष्ठ कोच के पुरस्कार की दौड़ में

ज्यूरिख । मैनचेस्टर सिटी के पेप गार्डियोला और चेलसी के थॉमस टचेल फीफा वर्ष 2021 के सर्वश्रेष्ठ कोच के पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। गार्डियोला की मैनचेस्टर सिटी ने पिछले सत्र में तीसरा प्रीमियर लीग खिताब जीता लेकिन यूरोपीय खिताब नहीं जीत सके हैं। गार्डियोला और टचेल के अलावा इटली को यूरोपीय चैम्पियनशिप खिताब दिलाने वाले कोच रॉबर्टो मंचिनी भी पुरस्कार के लिये नामांकित हैं। महिला वर्ग में चैम्पियंस लीग विजेता बार्सीलोना के कोच लुईस कार्टेस, चेलसी की एम्मा हायेस और नीदरलैंड की पूर्व कोच तथा इंग्लैंड की मौजूदा कोच सरीना वीगमैन पुरस्कार की दौड़ में हैं। पुरस्कार के लिए राष्ट्रीय टीमों के कोच और कप्तान, विशेषज्ञ मीडिया और प्रशंसक फीफा की वेबसाइट पर वोट करेंगे। विजेता के नाम की घोषणा 17 जनवरी को की जाएगी।

विश्व कप टीम से बाहर रखे जाने पर पूनम राउत निराश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की अनुभवी बल्लेबाज पूनम राउत ने न्यूजीलैंड में 4 मार्च से होने वाले आईसीसी महिला वनडे विश्व कप टीम से बाहर रखे जाने पर निराशा जताई है। पूनम ने गुरुवार रात को एक बयान में कहा कि अनुभवी बल्लेबाजों में से एक होने और भारत के लिए लगातार रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में मैं विश्व कप टीम का हिस्सा न होने से बेहद निराश हूं। 2021 में मैंने छह वनडे मैचों में 73.75 के औसत से 295 रन बनाए, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। प्रदर्शन करने के बाद भी टीम से लगातार बाहर रहना बहुत निराशाजनक है। खैर मैं उन सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं देना चाहती हूं जो भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। 32 वर्षीय पूनम ने 2009 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से भारत के लिए 73 वनडे और 35 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 3018 रन बनाए हैं। गुरुवार को बीसीसीआई ने मार्च-अप्रैल में न्यूजीलैंड में होने वाले आगामी विश्व कप के लिए 18 खिलाड़ियों के दल की घोषणा की, जिसमें जेमिमाह रॉड्रिग्स और शिखा पांडे के नाम नहीं थे। हालांकि दल की घोषणा करने वाली रिलीज में उन्हें नहीं शामिल करने के पीछे का कारण नहीं बताया गया। 32 वर्षीय राउत पिछले साल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए वनडे टीम का हिस्सा थी और विश्व कप के पिछले संस्करण में भी शामिल थी। राउत ने 2021 में खेले गए छह वनडे मैचों में 73.75 की औसत से 295 रन बनाए, जिसमें एक शतक भी शामिल है। राउत ने 73 वनडे मैचों में 34.83 की औसत से 2299 रन बनाए हैं और तीन वनडे विश्व कप और चार टी20 विश्व कप का हिस्सा रही हैं। यह पहली बार नहीं है जब दाएं हाथ की बल्लेबाज को युवा और आक्रामक बल्लेबाजों ने मात दी हो। 2018 में भी, जब टीम प्रबंधन ने युवा रॉड्रिग्स को तैयार करना शुरू किया, तब उन्हें टीम में जगह नहीं मिली थी। हालांकि राउत की अक्सर धीमा खेलने पर आलोचना की जाती रही है। वह 2021 में अपने स्ट्राइक रेट को बढ़ाकर 68.92 पर ले गई। इससे पहले उनका करियर स्ट्राइक रेट 56.96 था। राउत ने पिछले साल मार्च में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान कहा था- मैं स्ट्राइक रेट के बारे में ज्यादा नहीं सोचती।

द्रविड ने ऋषभ को पिच पर रुककर खेलने की सलाह दी

जोहान्सबर्ग । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को विकेट पर टिककर खेलने की सलाह दी है। ऋषभ अब तक के दक्षिण अफ्रीका दौरे में एक भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। वह तेज खेलने के प्रयास में अपने विकेट गंवाते दिखे हैं। द्रविड़ ने मैच के बाद कहा कि टीम प्रबंधन ऋषभ से उनके आक्रामक खेल के बारे में बात करेगा। द्रविड़ ने माना कि ऋषभ अपने आक्रामक अंदाज से टेस्ट प्रारुप में भी एक मैच-विजेता क्रिकेटर के तौर पर उभरे हैं हालांकि, वह चाहते हैं कि यह युवा खिलाड़ी हालातों के अनुसार बल्लेबाजी करें। द्रविड़ ने ऋषभ से कहा है कि वह आते ही आक्रामक रुख अपनाने की जगह शुरुआत में पिच पर थोड़ा समय बिताकर पिच और हालातों के अनुसार खेलें। द्रविड़ ने कहा, 'एक तरह से हम जानते हैं कि ऋषभ सकारात्मक अंदाज में खेलते हैं। उनके खेलने का अपना एक अलग तरीका है और इससे उन्हें अब तक कामयाबी भी मिली है पर ऐसा समय भी होगा जब हम उनसे इस बारे में बात करेंगे।' उन्होंने कहा, 'बात सिर्फ इतनी है कि उस तरह के शॉट खेलने का सही वक्त क्या हो यह उन्हें देखना होगा। कोई भी ऋषभ से यह कहने नहीं जा रहा है कि वह सकारात्मक या आक्रामक क्रिकेट न खेलें पर कई बार सवाल उस तरह का क्रिकेट खेलने के लिए सही समय के चयन करने का होता है। जब आप क्रीज पर बल्लेबाजी करने उतरे हों तो यही सलाह रहती है कि आप अपने को थोड़ा अधिक समय दें।' द्रविड़ को उम्मीद है कि ऋषभ इन कठिन हालातों में अपने अनुभवों से सीखेंगे और भविष्य में बेहतर खिलाड़ी बनेंगे।

हिंसक प्राणियों के हमले के मामलों में राज्य सरकार ने मुआवजा राशि बढ़ाई

अहमदाबाद । गुजरात सरकार ने हिंसक प्राणियों के हमले में, मृत्यु, विकलांगता या घायल होने के मामलों में मुआवजा राशि बढ़ाने का ऐलान किया है। दरअसल राज्य के जंगल और उसके आसपास रहनेवाले लोगों पर हिंसक प्राणियों के हमले में मानव मृत्यु और घायल समेत पशुओं की मौत की घटनाएं आए दिन सामने आती हैं।

ऐसे मामलों में पीड़ित परिवार या व्यक्ति को दी जानेवाली मुआवजा राशि में राज्य सरकार ने इजाफा किया है। राज्य के वन एवं पर्यावरण विभाग की विज्ञिस के मुताबिक हिंसक प्राणी के हमलों में मानव मृत्यु, घायल होने और पशु मृत्यु के मामलों में राज्य सरकार द्वारा पहले प्रति व्यक्ति रु. 400000 की मुआवजा राशि दी जाती थी, जिसमें रु. 100000 बढ़ाकर रु. 500000 कर दिया गया है। इसी प्रकार घायल होने के मामले में 40 से 60 प्रतिशत विकलांगता हो ऐसे मामलों में रु. 59100 के बजाए अब रु. 100000 की सहायता राशि दी जाएगी।

60 प्रतिशत से अधिक विकलांगता के मामले में रु. 200000 और 3 दिन या उससे अधिक समय तक घायल व्यक्ति अस्पताल में रहने पर रु. 10000 की सहायता राशि दी जाएगी। इससे पहले अस्पताल में रहने पर कोई सहायता नहीं दी जाती थी। इसके अलावा दुधारू पशुओं की मौत के मामले में भी मुआवजा राशि में इजाफा किया गया है। इसके अंतर्गत अब गाय या भैंस के लिए रु. 30000 के बजाए अब रु. 50000, ऊंट के लिए रु. 30000 के बजाए रु. 40000, भेड़-बकरी के लिए रु. 3000 के बजाए 5000 की सहायता राशि दी जाएगी।

गैर दुधारु पशुओं में ऊंट, घोडा, बैल के लिए रु. 25000, गाय/भैंस के बच्चे और गधे के लिए रु. 16000 के बजाए अब रु. 20000 की सहायता देने का सरकार ने फैसला किया है। नए दर 5 जनवरी 2022 से अमल में आएंगे और अधिसूचना जारी होते ही पहले की घटनाओं में यदि मुआवजे का भुगतान बाकी है तो नए दरों के मुताबिक ही चुकाने होंगे।

मुख्यमंत्री ने महानगर पालिका आयुक्तों-छह जिला कलेक्टरों के साथ कोरोना संक्रमण की रोकथाम की तैयारियों की समीक्षा की

10 जनवरी से 'आयुष' द्वारा महानगरों-जिलों सहित समग्र राज्य में प्रतिदिन कुल दो हजार किलो काढ़ा पाउडर पहुँचाया जाएगा

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में कोरोना संक्रमण के विरुद्ध जिलों एवं महानगरों के प्रशासन की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक कर व्यापक समीक्षा की। अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट तथा गांधीनगर महानगर पालिकाओं के आयुक्तों तथा खेडा, आणंद, भरूच, नवसारी, वलसाड और कच्छ जिलों के कलेक्टरों, जिला विकास अधिकारियों तथा जिला स्वास्थ्य अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अपने क्षेत्रों में वैक्सीनेशन ड्राइव, ट्रेसिंग-ट्रैकिंग तथा जरूरी केसों में आइसोलेशन और अस्पतालों में दवाइयों, ऑक्सीजन बेड आदि के विषय में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासनों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला प्रभारी सचिवों को अपने-अपने जिलों में पहुँचने का निर्देश दे दिया गया है, जिससे जिला प्रशासनों को जिला प्रभारी सचिवों का मार्गदर्शन प्राप्त हो।इतना ही नहीं, राज्य सरकार की ओर से तमाम आवश्यक सहायता जिलों को पहुँचाने के पक्के इंतज़ाम किए गए हैं। कोरोना के विरुद्ध रोगप्रतिकारक शक्ति बढ़ाने के लिए आगामी 10 जनवरी सोमवार से महानगरों तथा जिलों में 'आयुष' द्वारा समग्र राज्य में प्रतिदिन कुल दो हज़ार किलो काढ़ा पाउडर पहुँचाने का आयोजन किया गया है। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक में काढ़ा पाउडर का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया। भूपेंद्र पटेल ने इन जिला व महानगर प्रशासकों से अनुरोध किया कि होम आइसोलेन वाले व्यक्तियों तथा उनमें से एडमिट होने वाले व्यक्तियों की भी सतत मॉनटरिंग की जानी इच्छनीय है। मुख्य सचिव श्री पंकज कुमार ने जिला कलेक्टरों एवं महानगर पालिका आयुक्तों को आवश्यकता के अनुसार धन्वंतरि रथ और संजीवनी रथ को और मोबिलाइज करने, कॉण्टैक्ट ट्रेसिंग को व्यापक बनाने तथा दैनिक टेस्टिंग की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिए। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, कार्यवाहक प्रधान स्वास्थ्य सचिव मुकेश कुमार सहित कई वरिष्ठ सचिव भी गांधीनगर से सहभागी बने।

गुजरात में रात्रि कर्फ्यू की दो घंटे बढ़ी, रात 10 से सुबह 6 बजे तक रहेगा कर्फ्यू

अहमदाबाद। गुजरात में कोरोना संक्रमण बढ़ने से हरकत में आई राज्य सरकार ने रात्रि कर्फ्यू की अवधि बढ़ाने के साथ ही कई पाबंदियां लगा दी हैं। अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, सूरत, भावनगर, राजकोट, जामनगर और जूनागढ़ में अब तक रात 11 से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू रहता था। अब इन 8 महानगरों समेत अन्य दो शहरों में भी रात्रि कर्फ्यू लगा दिया गया है। 8 महानगरों के अलावा आणंद और नडियाद समेत राज्य के 10 शहरों में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू लगाया गया है। कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए राज्य में फिर एक बार पाबंदियों की जरूरत को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के निवास पर आज कोर समिति की बैठक हुई थी। बैठक के बाद नई कोविड गाइडलाइन जारी की गई है। जिसके मुताबिक राज्य के 10 शहरों में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू रहेगा। नई कोविड गाइडलाइन के ताबिक राज्य में कक्षा 1 से 9 की स्कूलों में 31 जनवरी तक ऑफलाइन शिक्षा बंद करने का आदेश दिया गया है। ऑनलाइन शिक्षा जारी रहेगी। स्पर्धात्मक परीक्षाएं एसओपी के साथ आयोजित की जा सकेंगे। सिनेमा, जिम और स्वीमिंग पुल, वाटर पार्क, वांचनालय, ऑडिटोरियम समेत मनोरंजनक स्थलों को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ चालू रखे जा सकेंगे। सार्वजनिक बाग-बगीचे रात 10 बजे खुले रखने की मंजूरी दी गई है। सरकारी और निजी यात्री बस 75 प्रतिशत क्षमता के संचालित की जाएंगी। साथ ही यात्री बसों को रात्रि कर्फ्यू से मुक्ति प्रदान की गई है। सभी प्रकार के राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रम जैसे सार्वजनिक समारोहों में खुली जगह पर 400 लोगों से अधिक जमा नहीं हो सकेंगे। लेकिन बंद स्थलों पर जगह की क्षमता के 50 प्रतिशत लोग ही जमा हो सकेंगे। शादी समारोह में यही नियम लागू होगा। विवाह समारोह के लिए डिजीटल गुजरात पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। वहीं अंतिम संस्कार में अधिकतम 100 लोगों के शामिल होने की छूट होगी। होटल-रेस्टोरेंट 70 प्रतिशत क्षमता के साथ खुले रखने का आदेश दिया गया है।

होटल-रेस्टोरेंट से रात 11 बजे तक होम डिलीवरी की छूट दी गई है। दुकान, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मार्केट यार्ड, साप्ताहिक बाजार, हेयर कटिंग सलून, स्पा और ब्यूटीपार्लर इत्यादि रात 10 बजे तक खुले रखने की छूट दी गई है। उपरोक्त सभी व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े मालिक, संचालक, कर्मचारी और काम से जुड़े सभी लोगों के लिए वैक्सीनेशन के दोनों डोज अनिवार्य किए गए हैं।

गुजरात हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, सोमवार से नहीं होगी फिजिकल हियरिंग

अहमदाबाद (ईएमएस)। राज्य में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए गुजरात हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला किया है। आगामी सोमवार से हाईकोर्ट में फिजिकल हियरिंग नहीं होगी। बता दें कि गुजरात में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। बीते दिन कोरोना के 4213 नए मामलों के साथ राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 14346 पर पहुंच गई है। जिसे ध्यान में रखते हुए गुजरात हाईकोर्ट ने बड़ा निर्णय किया है। जिसके मुताबिक आगामी सोमवार से कोर्ट में फिजिकल हियरिंग नहीं होगी। आगामी दो दिन तक पूरी हाईकोर्ट परिसर को सैनिटाइज किया जाएगा। वकीलों की चैम्बर्स भी बंद किए जाएंगे और केस की फाइलिंग के लिए 10 काउंटर शुरू किए जाएंगे। गौरतलब है कि दो दिन पहले गुजरात हाईकोर्ट में प्रवेश के लिए केवल 5 नंबर का गेट ही खोला गया था और अन्य सभी प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए थे। कोर्ट में केवल वकीलों को प्रवेश करने की इजाजत है। कोर्ट स्थित कैन्टीन को भी बंद कर दिया गया है। कोरोना महामारी के प्रारंभ में पहले 1। महीने तक हाईकोर्ट में वर्चुयअल हियरिंग हुई थी और उसके बाद गत 1। अगस्त से फिजिकल हियरिंग शुरू की गई थी। लेकिन राज्य में कोरोना कहर फिर बढ़ने से फिजिकल हियरिंग बंद करने का फैसला किया गया है।

सूरत शहर भाजपा द्वारा लगाया गया आरोप कोंग्रेस की सोची समझी साजिश थी

सूरत, सूरत भूमि

भारतीय जनता पार्टी सूरत महानगर द्वारा आज दोपहर 3:00 बजे से 5:00 बजे तक सूरत के चौक बाजार स्थित महात्मा गांधी जी इस प्रतिमा के पास मौन धरना प्रदर्शन किया गया कांग्रेस को सद्बुद्धि मौन धरना कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शहर महामंत्री मुकेश दलाल एवं कालू भाई भीमनाथ एवं सूरत शहर की मेयर हेमालीबेन बोघावाला, विधायक विवेक पटेल, अरविंद राणा, कांतिभाई बल्लर, एवं महानगर पालिका वार्ड के कॉरपोरेटर एवं वार्ड के प्रमुख उपस्थित होकर मौन धरना प्रदर्शन में हिस्सा लिया पिछले 5 जनवरी के दिन देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब दौरे पर थे उस समय कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के इशारे पर पंजाब कांग्रेस सरकार प्रधानमंत्री के सुरक्षा में सुनियोजित गुनाहित लापरवाही करके अक्षर में अपराध किया है जिसे देश की जनता माफ नहीं करेगी |

गुजरात में एक ही दिन में नए केसों का आंकड़ा 5000 के पार, 18538 सक्रिय मरीज

अहमदाबाद। गुजरात में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। एक ही दिन में आज 5396 नए केस सामने आए हैं, वहीं 1158 मरीज ठीक होकर अपने घर लौट गए। जबकि सूरत में एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई। टीकाकरण अभियान के तहत शुक्रवार को राज्य में 3.81 लाख से अधिक नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में राज्यभर में 5396 कोरोना के नए मामले दर्ज हुए हैं। जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 2281 नए मरीज मिले हैं। वहीं सूरत कॉर्पोरेशन में 1350, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 239, राजकोट कॉर्पोरेशन में 203, वलसाड में 142, आणंद में 133, खेडा में 104, सूरत में 102, कच्छ में 92, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 69, भावनगर कॉर्पोरेशन में 51, भरुच में 50, नवसारी में 49, मेहसाणा में 48, वडोदरा में 42, गांधीनगर में 41, जामनगर कॉर्पोरेशन में 40, मोरबी में 34, अहमदाबाद में 30, साबरकांठा में 28, अमरेली में 20, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 19, बनासकांठा में 11, दाहोद में 11, पंचमहल में 16, भावनगर में 12, अरवल्ली में 11, देवभूमि द्वारका में 10, जामनगर में 10, महीसागर में 10, गिर सोमनाथ में 9, सुरेन्द्रनगर में 9, नर्मदा में 6, तापी में 6, पाटन में 3 और जूनागढ़ में 2 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 5396 पॉजिटिव केस पिछले 24 घंटों में दर्ज हुए हैं। राज्य के चार जिले बोटाद, छोटाउदेपुर, डांग और पोरबंदर में कोरोना का एक भी मामला नहीं है। पिछले 24 घंटों में राज्यभर में 1158 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में अब तक 8 21541 कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं। सूरत में एक मरीज की मौत के साथ राज्य में अब तक कुल 10128 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 158583 पर पहुंच गई है। जिसमें 18564 स्टेबल हैं और 19 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत आज 381945 लोगों को वैक्सीन दी गई। जिसमें 6 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 286 लोगों को कोरोना दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक 11831 को पहला और 33334 नागरिकों को कोरोना का दूसरा टीका दिया गया। 18 से 45 वर्षी आयु समूह के 101974 को कोविड की पहली और 89721 को दूसरी वैक्सीन लगाई गई। 15 से 18 वर्षीय 144793 किशोरों को आज पहला टीका लगाया गया। अब तक 1।63459 किशोरो समेत राज्यभर में 9 करोड़ 27 लाख 18 हजार 37 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

गुजरात में अगले 48 घंटे रहेगा मावठ का असर, 9 जनवरी से फिर पड़ेगी कड़ाके की ठंड

अहमदाबाद। गुजरात में एक ओर जहां कोरोना ने कहर बरपा रखा है, वहीं दूसरी ओर बेमौसमी बारिश लोगों की मुश्किलों में इजाफा कर रही है। गुरुवार को सौराष्ट्र और उत्तर गुजरात की 60 से अधिक तहसीलों में बेमौसमी बारिश हुई थी। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के चलते अभी और 48 घंटे तक बेमौसमी बारिश का असर रहेगा और उसके बाद हवा की दिशा बदलने से ठंड बढ़ेगी। 9 जनवरी से राज्य के न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री गिरने का अनुमान है। मौसम विभाग की मानें तो वेस्टर्न डिस्टर्बन्स और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण गुजरात में बेमौसमी बारिश होगी और अगले दो दिन ऐसा ही वातावरण रहेगा। आगामी 48 घंटों के दौरान आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, दाहोद, महीसागर, मेहसाणा, पंचमहल, पाटन, साबरकांठा, भरुच, छोटाउदेपुर, नर्मदा, सूरत, अमरेली, भावनगर, बोटाद, देवभूमि द्वारका, जामनगर, मोरबी, राजकोट, सुरेन्द्रनगर और कच्छ जिलों में बेमौसमी बारिश हो सकती है। 8 जनवरी को डांग, नर्मदा, नवसारी, तापी, वलसाड, दमन और दादरा नगर हवेली में सामान्य बारिश होगी। 9 जनवरी से राज्य का वातावरण सूखा रहेगा और ठंड का पारा गिरेगा। बेमौसमी बारिश के बाद राज्य में ठंड का जोर बढ़ेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि तीन दिन बाद हवा की दिशा बदलने, सूखा वातावरण होने और शीत लहर चलने से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट आएगी, जिसकी वजह से राज्य में एक बार कड़ाके की ठंड पड़ेगी। बेमौसमी बारिश ने किसानों को चिंता बढ़ा दी है। मावठ के कारण राज्य में मक्का, जीरा, धनिया, गेहूं और मेथी जैसी रवि फसलों को नुकसान होने की किसानों में दहशत है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने नया टर्म इंश्योरेंस प्लान: आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट रिटर्न ऑफ प्रीमियम लॉन्च किया

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने एक नया टर्म इंश्योरेंस उत्पाद -ज्आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट रिटर्न ऑफ प्रीमियमज लॉन्च किया है। यह ग्राहक-केंद्रित प्रस्ताव जो जीवन-अवस्था आधारित कवर की पेशकश करता है जिसमें जीवन बीमा की मात्रा ग्राहक के जीवन चरणों के आधार पर स्वचालित रूप से समायोजित हो जाती है।

श्री अमित पालटा, चीफ डिस्ट्रिब्युशन ऑफिसर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने कहा, च्हमारा नया सुरक्षा उत्पाद, आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट रिटर्न ऑफ प्रीमियम, निश्चित प्रीमियम के साथ जीवन के सभी चरणों में पर्याप्त सुरक्षा का वादा करता है और सभी प्रीमियमों का 105ब रिटर्न देता है। हमारा मानना है कि यह उत्पाद उत्तरजीविता लाभों पर ग्राहकों के मन में उठने वाले प्रश्नों का समाधान करता है। उत्पाद विकास के लिए हमारा दृष्टिकोण ग्राहक की जरूरतों को उत्पाद सुविधाओं के रूप में शामिल करना है।

हम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी समाधानों का उपयोग करते हुए देश की आबादी के एक बड़े हिस्से को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करते रहेंगे। यह एक स्थायी संस्थान बनाने की हमारी दृष्टि से मेल खाता है जो ग्राहकों की सुरक्षा और दीर्घकालिक बचत आवश्यकताओं को संवेदनशीलता के साथ पूरा करे। आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट रिटर्न ऑफ प्रीमियम 64 गंभीर बीमारियों पर कवर प्रदान करने के अलावा, जीवित रहने पर भुगतान किए गए सभी प्रीमियमों का 105ब रिटर्न प्रदान करता है, जो उद्योग में सबसे अधिक है। यह दो प्रकार के कवर प्रदान करता है - लाइफ स्टेज कवर और लेवल कवर।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक और पार्क+ साथ मिलकर लाएंगे फास्टैग आधारित स्मार्ट पार्किंग समाधान

अपनी डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवाओं के समाधान की बढ़ती रेंज को आगे बढाते हुए, भारत में अग्रणी फास्टैग जारीकर्ता एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने पार्क+ के साथ मिलकर कार्य करने की घोषणा की, इस गठबंधन के माध्यम से फास्टैग आधारित स्मार्ट पार्किंग समाधान देश भर में चिन्हित कॉमर्शियल और आवासीय जगहों के लिए पेश किया जाएगा। पार्क+ फास्टैग के माध्यम से पार्किंग स्थानों को स्वाचालित करने में मार्केट लीडर है और वर्तमान में भारत में अधिकांश फास्टैग पार्किंग लेनदेन पार्क+ सिस्टम के माध्यम से संसाधित किए जा रहे हैं।

गठबंधन का उद्देश्य एयरटेल पेमेंट्स बैंक के वितरण और डिजिटल भुगतान स्टैक का उपयोग करके वाहन सेजुड़े फास्टैग के माध्यम से पार्किंग इकोसिस्टम को डिजिटाइज़ करने का है। पार्क+ एयरटेल पेमेंट्स बैंक को जारी करने, अधिग्रहण करने, रिचार्ज करने और तकनीकी सहायता सहित फास्टैग सेवाओं के अपने संपूर्ण सुविधाओं की पेशकश करेगा।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक देश में फास्टैग के शीर्ष पांच जारीकर्ताओं में से एक है। बैंक के डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच ने उसे फास्टैग सेगमेंट में अग्रणी कंपनी बनने में मदद की है। ग्राहक एयरटेल थैंक्स ऐप के बैंकिंग सेक्शन से कुछ ही क्लिक में आसानी से फास्टैग खरीद सकते हैं।

देश भर में 1500+ सोसाइटियों, 30+ मॉल और 150+ कॉर्पोरेट पार्कों में पार्क+ एक्सेस कंट्रोल सिस्टम स्थापित किए गए हैं। देश में सबसे बड़ा पार्किंग एग्रीगेटर होने के नाते, पार्क+इन स्थानों पर 10,000 से अधिक ईवी चार्जर लगाने में मदद कर रहा है।

पार्किंग शुल्क भुगतान के साथ, दोनों भागीदार वाहन से जुड़े वैध फास्टैग से ऑटोमेटिक कैशलेस पेमेंट डिडेक्श को सक्षम करने के लिए एक साथ काम कर रहे हैं। कैशलेस भुगतान के साथ विजिटर्स का समय बचेगा और उन्हें पार्किंग भुगतान करने के लिए कतार में इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह सेवा साउथ दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) पार्किंग स्थल पर पहले से ही चालू है और जल्द ही औरंगाबाद हवाई अड्डे और गुरुग्राम में 32वें एवेन्यू (32वें माइलस्टोन) पर उपलब्ध कराई जाएगी।

एयरटेल फास्टैग से ग्राहकों को पार्क+ द्वारा पेश किए गए इनोवेटिव एनालिटिक्स-आधारित समाधानों तक पहुंच प्राप्त होगी। इसमें टोल प्रेडिक्टर, समय पर कम बैलेंस अलर्ट और स्वचालित रिचार्ज टॉप-अप जैसे समाधान शामिल हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)